शर्मा हार्डओरेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 78 | गुवाहाटी | गुरुवार, 17 अक्तूबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

माजुली में लखी पूजा के अवसर पर रास लीला और नाट्य मेला आरंभ पेज 2
कांग्रेस ने की पुलिस अधीक्षक और थाना प्रभारियों के तबादले की मांग पेज 3
रिक्त पदों सहित भावी पदों के लिए नियुक्ति विज्ञप्ति जारी... पेज 5
महिला वर्ग में खिलाड़ियों की नीलामी के बाद सभी टीमों की सूची देखने को मिली पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

आलसी का ना वर्तमान होता है, न भविष्य।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

आज होगी साल की सबसे चमकीली रात

भोपाल (हि.स.)। खगोल विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों के लिए गुरुवार 17 अक्तूबर की शरद पूर्णिमा की रात बेहद खास होने जा रही है। शरदोत्सव का चंद्रमा वैसे तो अपनी 16 कलाओं के साथ चमकने की मान्यता के साथ चमकीला माना ही जाता रहा है, लेकिन इस बार वैज्ञानिक रूप से गुरुवार को शाम उदित होने वाला चंद्रमा शरद सुपरमून के रूप में साल का सबसे चमकीला चंद्रमा होगा और यह रातभर -शेष पृष्ठ दो पर

चार्जिंग करते समय फटा स्मार्टफोन, चार लोगों की जलकर हुई मौत

मद्रिद। स्पेन में एक दुखद घटना हुई, जिसमें मोबाइल फोन के कारण एक परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। यह घटना न केवल चौंकाने वाली है, बल्कि इससे यह भी साबित होता है कि मोबाइल फोन का विस्फोट कितना घातक हो सकता है। आपको बता दें कि 47 वर्षीय जोस एंटोनियो रेंडन, उनकी 56 वर्षीय पत्नी एंटोनिया हिडाल्गो, और उनके दो बेटे 20 साल का जोस एंटोनियो -शेष पृष्ठ दो पर

अब कानून अंधा नहीं आंखों से हट गई पट्टी

हाथ में तलवार की जगह संविधान

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय में बुधवार को न्याय की देवी की नई प्रतिमा लगाई गई। न्याय की देवी की मूर्ति की आंखों से पट्टी हटा दी गई है और उसके एक हाथ में तलवार की जगह संविधान ने ले ली है। सुप्रीम कोर्ट में जजों के पुस्तकालय में ये मूर्ति लगाई गई है। ताकि यह संदेश दिया जा सके कि देश में कानून अंधा नहीं है और गलती करने पर कड़ी सजा का भी प्रविधान है। आंखों पर पट्टी कानून के समक्ष समानता को दर्शाती है, जिसका अर्थ है कि अदालतें अपने सामने आने वाले लोगों की संपत्ति, शक्ति या स्थिति के अन्य चिह्नों को नहीं देख सकती हैं, जबकि तलवार अधिकार और अन्याय को दंडित करने की शक्ति का प्रतीक है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट में जजों की लाइब्रेरी में स्थापित की गई नई मूर्ति में आंखें खुली हैं और तलवार की जगह संविधान को बाएं हाथ में रखा गया है। इस कदम को औपनिवेशिक विरासत को पीछे छोड़ने के प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है, ठीक उसी तरह जैसे भारतीय दंड संहिता जैसे औपनिवेशिक युग के आपराधिक कानूनों को भारतीय न्याय संहिता से बदलकर किया गया था। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ का मानना है कि भारत को ब्रिटिश विरासत से आगे बढ़ना चाहिए और कानून कभी अंधा नहीं होता, यह सभी को समान रूप से देखता है। इसलिए, मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्याय की देवी का रूप बदला जाना चाहिए। सीजेआई चंद्रचूड़ का मानना है कि अब वक्त आ गया है कि हम अंग्रेजी विरासत से आगे बढ़ें। उनके अनुसार, तलवार हिंसा का प्रतीक है, जबकि अदालतें हिंसा से नहीं, बल्कि संविधान के आधार पर न्याय करती हैं। इसलिए उन्होंने मूर्ति में तलवार की जगह संविधान रखने का निर्णय लिया। उन्होंने यह भी कहा कि कानून अंधा नहीं हो सकता। उसे सब कुछ देखना होता है, तभी निष्पक्ष न्याय हो सकता है। सीजेआई दफ्तर के सूत्रों के मुताबिक, चंद्रचूड़ चाहते थे कि भारत की न्याय प्रणाली अब अंग्रेजों की बनाई परंपराओं से हटकर अपने संविधान और मूल्यों के अनुसार काम करे। इसके पीछे उद्देश्य यह है कि लोगों को यह संदेश दिया जाए कि देश की न्याय व्यवस्था संविधान के अनुसार न्याय करती है, न कि हिंसा के प्रतीक के आधार पर। न्याय की देवी का इतिहास प्राचीन -शेष पृष्ठ दो पर

सीमा विवाद सुलझाने जल्द ही पीएम, शाह, हिमंत से मुलाकात करेगी नगालैंड कैबिनेट : उपमुख्यमंत्री

कोहिमा। नगालैंड सरकार के प्रतिनिधि पड़ोसी राज्य के साथ चल रहे सीमा विवाद को सुलझाने के लिए जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात करेंगे, उपमुख्यमंत्री वाई पैटन ने कहा। पैटन ने मंगलवार को असम की सीमा से लगे मोकोकचुंग जिले के तुली का दौरा करते हुए ग्रामीणों से यह बात कही। बुधवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि पैटन, जो गृह और सीमा मामलों का भी प्रभार संभालते हैं, के साथ स्थानीय विधायक ए पंगजंग जमीर, डीजीपी रूपिन शर्मा और जिला प्रशासन के अधिकारी भी थे। बयान में कहा गया कि टीम ने चिंता के प्रमुख क्षेत्रों का -शेष पृष्ठ दो पर

भाषा गौरव सप्ताह : सीएम ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में असमिया को शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिलने पर सप्ताह भर चलने वाले उत्सव के संबंध में चर्चा की। असमिया भाषा को प्रतिष्ठित दर्जा दिलाने के लिए 3 से 9 नवंबर के बीच *भाषा गौरव सप्ताह* मनाया जाएगा। शर्मा ने एक्स हैंडल पर लिखा कि मैंने भाषा गौरव सप्ताह के विवरण की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। 3-9 नवंबर तक असम में असमिया को दी गई शास्त्रीय भाषा का दर्जा मनाया जाएगा और समाज को एकजुट करने में भाषाओं के अमिट योगदान को याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी कॉलेज, स्कूल और सार्वजनिक कार्यालय इस कार्यक्रम में शामिल होंगे, -शेष पृष्ठ दो पर

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान बना देश का दूसरा तितली विविधता केंद्र

नई दिल्ली (हि.स.)। असम में स्थित काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान भारत का दूसरा तितली विविधता केंद्र बन गया है। इसमें 446 किस्म की तितलियां पाई गई हैं। अरुणाचल प्रदेश के नामदाफा राष्ट्रीय उद्यान देश का पहला तितली विविधता केंद्र है। वर्ष 2007 से इस क्षेत्र में तितलियों का अध्ययन कर रहे डॉ. मानसून ज्योति गोगोई के मुताबिक काजीरंगा अब नामदाफा राष्ट्रीय उद्यान के बाद भारत के संरक्षित क्षेत्रों में तितली प्रजातियों की विविधता में दूसरे स्थान पर है। हिमालय और पटकाई पर्वत शृंखलाओं के बाहर काजीरंगा के स्थान को देखते हुए यह रिकॉर्ड विशेष रूप से -शेष पृष्ठ दो पर

एससीओ की बैठक में विदेश मंत्री ने कहा-

आतंक और व्यापार साथ-साथ नहीं

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने बुधवार को इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की शिखरवार्ता में याद दिलाया कि संगठन के चार्टर में आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद को स्पष्ट रूप से चुनौती माना गया है। ऐसे में सीमा पार से इस तरह की गतिविधियां होती रहेंगी तो सहयोग विशेषकर क्षेत्रीय सहयोग संभव नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि सहयोग आपसी सम्मान और संप्रभुता पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि सीमा पार की गतिविधियां- आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद होंगी तो समानांतर रूप से व्यापार, ऊर्जा प्रवाह, कनेक्टिविटी और लोगों से लोगों के बीच आदान-प्रदान के प्रोत्साहन की संभावना नहीं होंगी। एससीओ के शासनाध्यक्षों की परिषद की बैठक में संगठन में शामिल देशों के शीर्ष नेता शामिल होते हैं। विदेश मंत्री जयशंकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्थान पर बैठक में शिरकत करने पहुंचे कल यहां पहुंचे थे। आज एससीओ की बैठक में विदेश मंत्री ने कहा कि सहयोग एकतरफा एजेंडे पर नहीं बल्कि वास्तविक साझेदारियों पर बनाया जाना चाहिए। हमारे प्रयास तभी आगे बढ़ेंगे जब चार्टर के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ रहेगी। यह स्वयंसिद्ध है कि -शेष पृष्ठ दो पर

वक्फ की जमीन पर बनी है नई संसद : अजमल

नई दिल्ली। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने यह दावा करके राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है कि संसद का निर्माण वक्फ भूमि पर किया गया होगा। वक्फ बिल पर जेपीसी को लेकर एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि आवाजें उठ रही हैं और दुनिया भर में वक्फ संपत्तियों की एक सूची सामने आ गई है। संसद भवन, आसपास के इलाके, वसंत विहार के आसपास के इलाके से लेकर हवाई अड्डे तक का निर्माण वक्फ संपत्ति पर किया गया है। इतना ही नहीं, बदरुद्दीन अजमल ने दावा किया कि लोग यह भी कहते हैं कि हवाई अड्डा वक्फ संपत्ति पर बनाया गया है। यह बुरा है, वक्फ बोर्ड के इस मुद्दे पर वे जल्द ही अपना मंत्रालय खो देंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

उमर ने ली जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ, सुरिंदर चौधरी बने उपमुख्यमंत्री

श्रीनगर (हि.स.)। नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में उन्हें और उनके चुने हुए सदस्यों को पद की शपथ दिलाई। वरिष्ठ एनसी नेता सुरिंदर चौधरी ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। गठबंधन करके चुनाव में उतरी कांग्रेस ने सरकार में न शामिल होने का फैसला लिया है, इसलिए कांग्रेस के किसी भी विधायक को शपथ नहीं दिलाई गई है। केंद्र सरकार की ओर से 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद उमर अब्दुल्ला का मुख्यमंत्री के रूप में पहला कार्यकाल होगा। मुख्यमंत्री के तौर पर उमर अब्दुल्ला के अलावा नेशनल कांफ्रेंस के नेता सकीना इट्ठू, जावेद -शेष पृष्ठ दो पर

नाइजीरिया में पेट्रोल टैंकर में विस्फोट से 90 से ज्यादा लोगों की मौत

अबुजा। मंगलवार रात नाइजीरिया के जिगावा राज्य में एक पेट्रोल टैंकर विस्फोट में 90 से अधिक लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना माजिया कस्बे में हुई, जहां टैंकर चालक ने खादीजा विश्वविद्यालय के पास नियंत्रण खो दिया और टैंकर में विस्फोट हो गया। जिगावा पुलिस प्रवक्ता, शी'इसु आदम ने बुधवार को इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हादसे में 94 लोग मारे गए व घायल लोगों को रिंगिम -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस ने राज्य सरकार की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र की मांग की

गुवाहाटी। असम कांग्रेस ने बुधवार को राज्य सरकार से 2021 से 2024 तक के मौजूदा मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान राज्य की वित्तीय स्थिति को रेखांकित करने वाला श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। बुधवार को राजीव भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता रिपुन बोरा ने असम के कर्ज में भारी वृद्धि की ओर इशारा करते हुए राज्य की भाजपा नीत सरकार पर भारी कर्ज जमा करने और वित्तीय संसाधनों का कुप्रबंधन करने का आरोप लगाया। बोरा ने कहा कि 2016-2021 के दौरान, मुख्यमंत्री के रूप में सर्वानंद सोनोवाल के कार्यकाल के दौरान, कर्ज बढ़कर 66,020.65 करोड़ रुपए हो गया। लेकिन मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के कार्यकाल के ढाई साल (2021 से 2024 के बीच) के भीतर कर्ज बढ़कर 1,52,000 करोड़ रुपए हो गया है, यानी 85,980 करोड़ रुपए की -शेष पृष्ठ दो पर

पिथौरागढ़ में पहाड़ियों के बीच फंसे मुख्य ईसी, न सड़क न लोग

पिथौरागढ़। निकट भविष्य में कोई चुनाव तो नहीं है लेकिन हाई अल्टीट्यूड पर चुनाव प्रबंधन की स्टडी करने पिथौरागढ़ पहुंचे देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार रालम गांव में फंस गए। मौसम खराब होने पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। जिला मुख्यालय से इस गांव की दूरी पौने दो सौ किमी है। मिलम घाटी के इस गाँव में घर तो बहुत है लेकिन आदमी एक भी नहीं। सीईसी सुरक्षित तो है लेकिन आठ घंटे बाद भी रेस्क्यू नहीं हो सके। फिलहाल मिस्टर कुमार लकड़ी जलाकर बर्फीली पहाड़ियों के -शेष पृष्ठ दो पर

देश में 31 दवाइयों के 50 फीसदी तक बढ़े दाम

सोलन। देश में 31 दवाइयों की कीमतें बढ़ गई हैं। इन दवाइयों के दामों में 50 फीसदी तक की वृद्धि की गई है। राष्ट्रीय दवा कीमत निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने इसे लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। जिन दवाइयों की कीमतों में बढ़ौतरी हुई है, उनमें अस्थमा, ग्लूकोमा, थैलेसीमिया, तपेदिक और मानसिक स्वास्थ्य विकारों जैसी स्थितियों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली दवाइयां शामिल हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, यह निर्णय 8 अक्तूबर को प्राधिकरण की बैठक के दौरान औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के पैरा 19 के तहत दी गई असाधारण शक्तियों का उपयोग करते हुए किया गया। दवा निर्माताओं की ओर से सक्रिय फार्मास्यूटिकल सामग्री (एपीआई) की बढ़ती लागत, उत्पादन खर्च में वृद्धि और विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के कारण मूल्य संशोधन की मांग की थी। जिन दवाइयों की कीमतों की बढ़ौतरी की गई है, उनमें बेंजिल पैनिसिलिन इंजैक्शन है। उसकी कीमत 14.57 रुपए प्रति पैक, ऐट्रोपिन इंजैक्शन 0.6 एमजी 6.86 रुपए प्रति मिली, स्ट्रेप्टोमाइसिन इंजैक्शन के लिए पाऊडर 750 मिलीग्राम 15.15 प्रति वायल व 1000 मिलीग्राम पाऊडर 16.29 प्रति वायल, सैल्बुटामोल टैबलेट 2 मिलीग्राम 0.27 पैसे प्रति गोली व 4 मिलीग्राम 0.32 -शेष पृष्ठ दो पर

योगी-आडवाणी समेत नौ वीआईपी की सुरक्षा से हटेंगे एनएसजी कमांडो

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आतंकवाद विरोधी कमांडो बल एनएसजी को वीआईपी सुरक्षा कर्तव्यों से पूरी तरह हटाने और अगले महीने तक अपने नौ हाई रिस्क वीआईपी को सीआरपीएफ को सौंपने का आदेश दिया है। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने विशेष रूप से प्रशिक्षित कर्मियों की एक नई बटालियन को भी मंजूरी दे दी है। हाल ही इन्हें संसद सुरक्षा कर्तव्यों से हटा दिया गया है। अब प्रशिक्षित कर्मियों की बटालियन को सीआरपीएफ वीआईपी सुरक्षा विंग से जोड़ा जाएगा। सूत्रों ने कहा कि नौ जेड प्लस श्रेणी के वीआईपी की सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के ब्लैक कैट कमांडो द्वारा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

माजुली में लखी पूजा के अवसर पर रास लीला और नाट्य मेला आरंभ

माजुली (हिंस)। विश्व के सबसे बड़े नदी द्वीप माजुली जिले में लखी (लक्ष्मी) पूर्णिमा के साथ ही रासलीला और नाट्य मेला पर्व की शुरुआत हो गई है। वैष्ण संस्कृति का प्राण केंद्र माजुली के सभी सत्रों (मठो) और पचास से अधिक मंचों पर पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार आज के दिन से श्रीकृष्ण की रासलीला का आयोजन किया जा रहा है। आने वाले एक महीने तक माजुली का हर कोना गोकुल एवं वृंदावन में तब्दील हो जाएगा। हर जगह गूंजेंगी श्रीकृष्ण की महा रासलीला की धुनें। शरद ऋतु माजुली के लिए एक विशेष समय होता है, क्योंकि यहां रासलीला के पर्व का समय है। इस वर्ष, लखी पूजा और काति महीने की पूर्णिमा तिथि पर रासलीला की शुरुआत ने पूरे माजुली को उत्सव के रंग में रंग दिया है। माजुली के गड़मूर सत्र के बंशीगोपाल प्रेक्षागृह में भी नाट्य मेला का शुभारंभ हो गया है। लगभग सौ वर्ष पहले, स्वतंत्रता सेनानी पिताम्बर देव गोस्वामी ने महिलाओं के लिए खुला मंच तैयार किया था, जिससे आज इस पवित्र रासलीला में महिलाओं की भागीदारी भी संभव हो सकी है। माजुली के 26 से अधिक कलाकार, कारीगर और आयोजक इस महोत्सव में जुटे हुए हैं। माजुली के विभिन्न सत्र, जैसे कि ऐतिहासिक आउनीआटी दक्षिणपाट सत्र और उत्तर कमलाबाड़ी सत्र, शंकरदेव की अमर कृति *केलिगोपाल* के आधार पर रास का आयोजन करेंगे। उत्तर कमलाबाड़ी सत्र ने भक्तों और दर्शकों के लिए भोजन की विशेष व्यवस्था भी की है।

इजराइल ने नबातियेह में किया हवाई हमला, मेयर समेत चार की मौत

यरुशलेम। लेबनानी अधिकारियों ने कहा है कि नबातियेह में एक इजराइली हमले में उस इमारत को निशाना बनाया गया, जहां राहत कार्यों के समन्वय को लेकर एक बैठक हो रही थी। लेबनान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने इजराइल पर नगर निगम परिषद की बैठक को *जानबूझकर निशाना बनाने* का आरोप लगाया, जो राहत कार्यों पर चर्चा के लिए आयोजित की गई थी। हमले में शहर के मेयर समेत चार अन्य लोगों की मौत हो गई और नगर निकाय भवन नष्ट हो गया। लेबनान के गृह मंत्री बासम मावलावी ने एक अलग बयान में कहा कि इमारत को उस समय निशाना बनाया गया, जब दक्षिणी लेबनान में रह रहे लोगों के लिए राहत सहायता वितरण के समन्वय के लिए एक बैठक आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि हमले में एक नागरिक सुरक्षा सदस्य की मौत हो गई और अन्य घायल हो गए। मिकाती ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय पर इजराइली हमलों के बारे में *जानबूझकर चुप रहने* का आरोप लगाया, जिसमें नागरिक मारे गए और संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर हमले हुए। उन्होंने एक बयान में कहा कि इस वास्तविकता के मद्देनजर किस समाधान की उम्मीद की जा सकती है? इजराइल ने बिना कोई सबूत दिये कहा कि हमले का लक्ष्य हिजबुल्ला के ठिकाने थे।

हेरोइन के साथ कई तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की जालुकबारी पुलिस ने गुवाहाटी में अलग-अलग स्थानों से हेरोइन के साथ महिलाओं समेत तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार एसओजी डब्ल्यूजीपीडी और जालुकबारी पुलिस चौकी की एक टीम ने मिलकर एक ड्रग्स ठिकाने का भंडाफोड़ किया और तीन ड्रग्स तस्करों - बांदीहाना के हाफिजुर रहमान, रौता के इंजाजुल हक और बाईहाटा चारिआली के दीपज्योति डेका को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से शीशियों में 21.26 ग्राम संदिग्ध हेरोइन, एक मोबाइल फोन और 1580 रुपए नकद जब्त किए गए। इसके बाद, टीम ने फूलपाही नगर में अलेकजान बेगम के किराए के घर पर छापा मारा और 21.65 ग्राम संदिग्ध हेरोइन के साथ-साथ तीन अन्य मोबाइल फोन बरामद किए। अकेलजान बेगम को गिरफ्तार कर लिया गया। इस सिलसिले में कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है। उधर ग्वालपाड़ा पुलिस ने कृष्णाई से हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार कृष्णाई थाना प्रभारी के नेतृत्व में ग्वालपाड़ा पुलिस की एक टीम ने स्टाफ के साथ मिलकर पैकन सुपर मार्केट में एक व्यक्ति को पकड़ा। गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए इस अभियान के दौरान पुलिस ने संदिग्ध हेरोइन की कुल 23 शीशियां बरामद कीं।

मृत तेंदुआ बरामद

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिले के डिमौ के शुरू डिरो इलाके से मृत तेंदुआ बरामद किए जाने के बाद इलाके में काम करने वाले मजदूरों के बीच दशत का माहौल देखा गया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि डिमौ खंड वन विभाग कार्यालय अंतर्गत शुरू डिरो इलाके में चाय पत्ती तोड़ने पहुंछे मजदूरों ने एक मृत तेंदुआ को देखा। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम मृत तेंदुआ के शव को अपने कब्जे में ले लिया। मौके पर पहुंची पशु चिकित्सा की टीम ने तेंदुआ का पोस्टमार्टम कर मौत की असली वजह का पता लगाने में जुठ गई है। स्थानीय लोगों ने आशंका व्यक्त किया है कि दो तेंदुओं के बीच में हुई झड़प के चलते एक तेंदुआ की मौत हुई होगी। वन विभाग इस मामले की जांच कर रहा है।

मंगलदै में दो शातिर स्वर्ण चोर गिरफ्तार

दरंग (हिंस)। दरंग जिला मुख्यालय मंगलदै में दो शातिर स्वर्ण चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने स्वर्ण चोर नूर हुसैन और जफर अली के साथ-साथ सोना खरीदने वाले दो सोनारों को भी गिरफ्तार किया। दोनों सोनारों की पहचान माणिक सेन और अमीनुल हक के रूप में हुई है। गिरफ्तार चोरों पर आसपास के इलाकों में सोना चुराने का आरोप है।

किशनगंज सांसद को जान से मारने की धमकी

किशनगंज (हिंस)। किशनगंज लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद मो. डॉ. जावेद आजाद को जान से मारने की धमकी मिली है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 12 अक्तूबर को धमकी भरा पोस्ट किया गया है। इस मामले में अब सांसद के निजी सचिव ने दिल्ली स्थित पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में 15 अक्तूबर को इस संबंध में आवेदन दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (एक्स) पर किए गए पोस्ट में लिखा गया है, मोहम्मद जावेद तू अल-कायदा का आतंकी है। तुम्हारे जैसे आतंकियों के लिए गिरिराज भईया ठीक बोलते हैं। इस देश में जितने भी दाढ़ी-टोपी और हिजाब वाला मदरसा छाप आतंकी है उनके लिए इस देश में कोई जगह नहीं है।

पृष्ठ एक का शेष

अब कानून अंधा...

यूनान से जुड़ा है। यूनान में इन्हें जस्टिया कहा जाता था, और इन्हीं के नाम से *जस्टिस* शब्द बना। ब्रिटिश काल में 17वीं शताब्दी के दौरान एक अंग्रेज अधिकारी भारत में यह मूर्ति लेकर आए। अंग्रेजों ने इसे अपने न्यायालयों में इस्तेमाल करना शुरू किया और यह मूर्ति भारत के न्यायालयों का भी हिस्सा बन गई। आजादी के बाद भी इस मूर्ति को स्वीकार कर लिया गया, लेकिन अब इसे बदलने का वक्त आ गया है। इस बदलाव के साथ सुप्रीम कोर्ट ने यह संदेश दिया है कि भारत की न्यायपालिका अब *कानून अंधा है* जैसी पुरानी मान्यताओं से आगे बढ़ चुकी है। यह अब संविधान और कानून की स्पष्टता के आधार पर काम करेगी, ताकि सभी को निष्पक्ष और सटीक न्याय मिल सके। वहीं एक सूत्र ने बताया कि तलवार हिंसा का प्रतीक है, लेकिन न्यायालय संवैधानिक कानूनों के अनुसार न्याय करते हैं। सूत्र ने बताया कि न्याय के तराजू को दाहिने हाथ में इसलिए रखा गया है क्योंकि यह समाज में संतुलन का प्रतिनिधित्व करता है और यह विचार कि किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले न्यायालय दोनों पक्षों के तथ्यों और तर्कों को तौलता है।

सीमा विवाद सुलझाने ...

निरीक्षण किया, जिसमें कांगत्सुंग गांव के सेप्टसुयोंग लू और वामेकेन यिमसेन गांव में असम पुलिस कमांडो बटालियन शिविर शामिल है। बयान में कहा गया कि इस दौरे का उद्देश्य जमीनी हालात का आकलन करना और सीमा क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच स्थानीय हितधारकों से बातचीत करना था। पैटन ने बताया कि ग्रामीणों और जिले की सर्वोच्च आदिवासी संस्था एओ सेंडेन के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा के दौरान राज्य मंत्रिमंडल ने 9 अक्तूबर को अपनी बैठक में इस मामले पर विचार-विमर्श किया और विवाद को सुलझाने के लिए सरकार के गंभीर दृष्टिकोण पर जोर दिया। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और असम के मुख्यमंत्री को पत्र भेजे गए हैं और राज्य मंत्रिमंडल जल्द ही उनसे मुलाकात करेगा। पैटन ने ग्रामीणों से अपनी जमीन गैर-स्वदेशी लोगों को न बेचने का भी आग्रह किया और क्षेत्र में स्थानीय भूमि स्वामित्व को संरक्षित करने के महत्व पर बल दिया। नगालैंड असम के साथ 512.1 किलोमीटर की अंतर्राज्यीय सीमा साझा करता है। जबकि दोनों पक्ष एक-दूसरे पर विवादित क्षेत्र बेल्ट में जमीन पर कब्जे का आरोप लगाते हैं, पिछले कई वर्षों से सुप्रीम कोर्ट में एक मामला चल रहा है।

भाषा गौरव सप्ताह...

जिसकी शुरुआत माननीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी और हमारे साहित्यकारों के प्रति सामूहिक आभार व्यक्त करने से होगी, जिन्होंने असमिया भाषा के विकास और संरक्षण में योगदान दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समारोह के दौरान 2000 साल पुरानी असमिया भाषा के बारे में कई तथ्य सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि असमिया 2000 साल से भी ज़्यादा पुरानी है, भाषा गौरव सप्ताह के दौरान इन तथ्यों को पुख्ता करने की जरूरत है। स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक कार्यालयों में अन्य ऑनलाइन और ऑफलाइन गतिविधियों के साथ-साथ हम शास्त्रीय भाषा के महत्व को समझाने वाली एक पुस्तिका भी जारी करेंगे। इससे पहले उन्होंने राज्य के सभी वर्गों से भाषा गौरव सप्ताह को सफल बनाने के लिए सहयोग मांगा। मराठी, बंगाली, पाली, प्राकृत और असमिया पांच अतिरिक्त भाषाएं हैं जिन्हें 3 अक्तूबर को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में शास्त्रीय भाषाओं के रूप में स्वीकार किया गया है। तमिल, संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और उड़िया को पहले ही यह प्रतिष्ठित उपाधि प्राप्त हो चुकी है, जिससे शास्त्रीय भारतीय भाषाओं की कुल संख्या ग्यारह हो गई है। भाषा के अध्ययन के लिए उत्कृष्टता केंद्र का निर्माण, केंद्रीय संस्थानों में व्यावसायिक पीठों के लिए धन, तथा उल्लेखनीय योगदानकर्ताओं के लिए विश्वव्यापी पुरस्कार, शास्त्रीय भाषा के रूप में नामित होने के कुछ प्रमुख लाभ हैं।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान ...

महत्वपूर्ण है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि 27 से 29 सितंबर तक आयोजित पहली *तितली संरक्षण मीट-2024* ने पूरे भारत से लगभग 40 तितलियों के प्रति उत्साही लोगों को आकर्षित किया। इस कार्यक्रम में नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, कॉटन यूनिवर्सिटी, असम के विभिन्न कॉलेजों, महाराष्ट्र वन विभाग, कॉर्बेट फाउंडेशन के प्रतिनिधि और नॉर्थ ईस्ट बटरफ्लाइज ग्रुप के प्रमुख सदस्य शामिल थे। यह कार्यक्रम विस्तृत तितली रिकॉर्ड और तितली की स्थिति पर आगे के प्रसार पर केंद्रित था। तितली संरक्षण बैठक का उद्देश्य काजीरंगा में तितली संरक्षण के महत्व के बारे में जागरुकता बढ़ाना है। तितलियों पर डॉ. ज्योति गोगोई द्वारा लिखित एक नई सचित्र गाइडबुक का लॉन्च किया गया। पुस्तक में काजीरंगा में दर्ज तितलियों की 446 प्रजातियों का दस्तावेजीकरण किया गया है, जिनमें से 18 भारत के लिए नए रिकॉर्ड हैं। इसमें बर्मी थ्रीरिंग, ग्लासी सेरुलियन, डार्क-बॉर्डर हेज ब्लू, अंडमान येलो बैंडेड फ्लैट, फेरर्स सेरुलियन, ग्रेट रेड-वेन लांसर, पीकॉक ओकब्लू, सिंगल्ड, लाइन्ड फ्लैश, येलो-टेल्ड अवल्किंग, व्हाइट पाम बॉब, डार्क-डस्टेड पाम डार्ट, क्लैवेट बैंडेड डेमन, पेल-मार्क्ड ऐस, येलो ओनिक्स, लॉन्ग-विंग्ड हेज ब्लू, ऐस एसपी और ड्वार्फ बैंडेड डेमन शामिल हैं।

आतंक और व्यापार ...

विकास और प्रगति के लिए शांति और स्थिरता की आवश्यकता होती है। और जैसा कि चार्टर में कहा गया है, इसका मतलब है *तीन बुराइयों* का मुकाबला करने में दृढ़ता से करना और इनसे समझौता न करना। उन्होंने कहा कि वैश्विक संघर्षों की बीच जलवायु परिवर्तन की गंभीर समस्या, आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितता और वित्तीय अस्थिरता वृद्धि और विकास को प्रभावित कर रहे हैं। यह एक चुनौतीपूर्ण समय है। प्रौद्योगिकी बड़ी संभावनाएं रखती है, लेकिन साथ ही नई चिंताओं को भी जन्म देती है। एससीओ के सदस्यों को इन चुनौतियों पर कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए इसपर विचार करना होगा। विदेश मंत्री ने इस दौरान वैश्विक संस्थाओं में बदलाव की मांग को दोहराया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी और गैर-स्थायी दोनों श्रेणियों में व्यापक सुधार आवश्यक है। भारत की भूमिका का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी अपनी वैश्विक पहल और राष्ट्रीय प्रयास भी एससीओ के लिए अत्यधिक प्रासंगिक हैं। अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देता है। आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन हमें जलवायु घटनाओं के लिए तैयार करता है। मिशन *लाइफ* एक स्थायी जीवन शैली की वकालत करता है। योगाभ्यास और मोटा अनाज को बढ़ावा देने से स्वास्थ्य और पर्यावरण पर फर्क पड़ता है। वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन ऊर्जा परिवर्तन के कार्य को मान्यता देता है। इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस हमारी जैव-विविधता की रक्षा करता है। घर पर, हमने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के मूल्य का प्रदर्शन किया है, जैसे हमने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के प्रभाव को दिखाया है।

उमर ने ली जम्मू-कश्मीर ...

राणा, जावेद अहमद डार और सतीश शर्मा ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। सुरिंदर चौधरी ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इस अवसर पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा, जेकेएनसी प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह, सीपीआई नेता डी राजा सहित इंडिया गठबंधन के अन्य नेता भी मौजूद रहे। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद सुरिंदर कुमार चौधरी ने कहा कि इतना बड़ा पद देने के लिए फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला को धन्यवाद देने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। मुझे उपमुख्यमंत्री बनाने के अपने फैसले से उमर अब्दुल्ला ने साबित कर दिया है कि जम्मू भी कश्मीर जितना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि संसद में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। आज जब हमें यहां की जनता ने चुना है, तो हमें उम्मीद है कि जल्द ही राज्य का दर्जा बहाल किया जायेगा। प्राथमिकता के तौर पर पिछले 10 वर्षों में आई बेरोजगारी, बिजली, पानी, अस्पताल, स्कूल और पर्यटन के मुद्दों को हल करना होगा। हम दरबार मूव को फिर से शुरू करने के लिए भी काम करेंगे। जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता ने जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश की पहली सरकार को बधाई देते हुए कहा कि मुझे उम्मीद है कि वे जम्मू-कश्मीर की बेहतरी के लिए काम करेंगे। मुझे उम्मीद है कि नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस की सरकारों में पहले जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के साथ हुआ भेदभाव फिर नहीं होगा। हमें उम्मीद है कि यह सरकार अच्छी तरह से चलेगी तो केंद्र सरकार का वादा भी पूरा होगा कि अगर कानून-व्यवस्था और यहां के हालात सुधरते हैं तो राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। उमर अब्दुल्ला के जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हमें खुशी है कि हमारा गठबंधन सहयोगी सीएम बना और लंबे समय के बाद यहां लोकतंत्र स्थापित हुआ है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यहां राज्य का दर्जा बहाल हो। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी फिलहाल जम्मू-कश्मीर सरकार में मंत्रालय में शामिल नहीं हो रही है। कांग्रेस ने केंद्र से जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की जोरदार मांग की है। प्रधानमंत्री ने भी कई बार सार्वजनिक बैठकों में इसका वादा किया है लेकिन जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया गया है। हम नाखुश हैं, इसलिए फिलहाल हम मंत्रालय में शामिल नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए लड़ाई जारी रखेगी। कांग्रेस नेता गुलाम अहमद मीर ने कहा कि लोगों ने राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए जनादेश दिया था, यह हमारे पूरे गठबंधन का पहला एजेंडा भी था। प्रधानमंत्री ने भी कहा था कि परिसीमन होना चाहिए, चुनाव होने चाहिए, प्रतिनिधि आने चाहिए ताकि राज्य का दर्जा बहाल हो, ये सारी चीजें हो चुकी हैं। हम चाहेंगे कि प्रधानमंत्री जल्द से जल्द लोगों के जनादेश का जवाब दें और राज्य का दर्जा बहाल करें। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला के जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर कहा कि यहां सरकार बनना बहुत जरूरी था और अधिकार मिलना इससे भी ज्यादा जरूरी है। जम्मू-कश्मीर के भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने कहा कि उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है और मैं उनके साथ शपथ लेने वाले मंत्रिमंडल को बधाई देता हूं और उम्मीद करता हूं कि वे जम्मू-कश्मीर की बेहतरी और जम्मू-कश्मीर की शांति और समृद्धि के लिए काम करेंगे। मैं उम्मीद करता हूं कि पिछले 10 सालों में जम्मू-कश्मीर में जो शांति स्थापित हुई है, उसे और मजबूत किया जाएगा, ताकि लोगों को लाभ मिल सके। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को बहुत सालों के बाद अपनी एक सरकार मिली है। लोगों ने एक स्थिर सरकार चुनी है। जम्मू-कश्मीर के लिए बहुत मुश्किल दौर है। 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों को बहुत जख्म लगे हैं। हम उम्मीद करते हैं कि जो सरकार बनी है वो सबसे पहले इन जख्मों का मरहम करेगी। 5 अगस्त, 2019 के फैसले से जो लोगों को तकलीफ हुई है उसके बारे में सबसे पहले प्रस्ताव पास करें और उस फैसले की निंदा करें। सीपीआई नेता डी राजा ने कहा कि मैं अपनी पार्टी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से उमर अब्दुल्ला को शुभकामनाएं देता हूं। हमें पूरा भरोसा है कि वह एक बहुत अच्छे मुख्यमंत्री साबित होंगे। जम्मू-कश्मीर से जुड़े मुद्दों को उठाएंगे और जम्मू-कश्मीर के अधिकारों और शक्तियों को बहाल करने के तरीकों पर काम करेंगे। यह जम्मू-कश्मीर के लिए एक शानदार और नई शुरुआत होगी।

नाइजीरिया में पेट्रोल...

जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात लगभग 11:30 बजे माजिया कस्बे में यह दुर्घटना हुई, जब चालक कानो से न्गुरु, योबे की ओर जा रहा था। दुर्भाग्य से, टैंकर के पलटते ही उसमें विस्फोट हो गया। आदम ने यह भी कहा कि पुलिस द्वारा बार-बार चेतावनी देने के बावजूद, लोग ऐसी घटनाओं के बाद दुर्घटना स्थल पर जमा हो जाते हैं, जिससे भारी संख्या में हताहत होते हैं। इस बार भी ऐसा ही हुआ, जिसके कारण इतने अधिक लोग विस्फोट की चपेट में आ गए। प्रवक्ता ने जानकारी दी कि पीड़ितों का सामूहिक अंतिम संस्कार बुधवार सुबह 9 बजे किया जाएगा।

कांग्रेस ने राज्य ...

वृद्धि हुई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि परिणामस्वरूप राज्य को अपने बजट की राशि का एक बड़ा हिस्सा, 7,299.18 करोड़ रुपए सालाना इस कर्ज पर ब्याज के रूप में चुकाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसलिए, हम सरकार से एक श्वेत पत्र चाहते हैं, जिसमें कुल राजस्व प्राप्तियां; विभिन्न शीर्षों के तहत केंद्र से प्राप्त धनराशि; ऋण और उधार आदि से प्राप्त राशि; विभिन्न शीर्षों, क्षेत्रों आदि पर व्यय; पूंजीगत व्यय में भारी कटौती के कारण, अर्थात बुनियादी ढांचे और विकास पर व्यय और पेट्रोल और डीजल पर वैट में बार-बार वृद्धि के कारण, जिसमें हाल ही में पेट्रोल पर एक रुपए और एक पैसे प्रति लीटर की वृद्धि शामिल है। बोरा ने लाभार्थी योजनाओं के वित्तपोषण के लिए ऋण और उधार पर निर्भर रहने के लिए सरकार की आलोचना की तथा आरोप लगाया कि ऐसा लाभार्थियों को वोट बैंक बनाये रखने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि यह ऋण किसी बड़ी परियोजना लागत या विकास कार्यक्रम के लिए नहीं लिया जाता है, बल्कि यह ऋण दैनिक खर्चों और व्यक्तिगत लाभार्थी खर्चों को पूरा करने के लिए लिया जाता है। सरकार के पास ऋण राशि के अलावा भारी भरकम खर्चों को पूरा करने का कोई दूसरा साधन नहीं है। वरिष्ठ विपक्षी नेता ने आगे कहा कि वित्तीय कुप्रबंधन और राजनीतिक कारणों से लाभार्थी योजनाओं पर भारी खर्च को पूरा करने के कारण, ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं के बिलों के प्रति देयता मार्च 2024 तक बढ़कर 26,000 करोड़ रुपए हो गई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, राज्य के वित्तीय संकट के कारण, कर्मचारियों का वेतन (मार्च 2024 तक 5000 करोड़ रुपए) कई महीनों से लंबित है।

वक्फ की जमीन ...

उन्होंने कहा कि मैं 15 साल तक संसद में था और अफवाहें थीं कि संसद वक्फ की जमीन पर बनी है। इसलिए मैं इसकी जांच की मांग कर रहा हूं और अगर ये सच है तो बहुत गलत है। वक्फ विधेयक पर कड़ी असहमति व्यक्त करते हुए अजमल ने कहा कि सभी धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दलों ने विधेयक की समीक्षा के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का बहिष्कार किया है। अजमल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पांच करोड़ लोगों ने जेपीसी को संदेश भेजकर विधेयक को अस्वीकार करने का आग्रह किया है, जो व्यापक सार्वजनिक असंतोष को दर्शाता है। अजमल ने आगे घोषणा की कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद विधेयक को चुनौती देने के लिए असम में वक्फ बोर्ड की जमीनों का सर्वेक्षण करेगी। उन्होंने अपने पहले के दावे को दोहराया कि नया संसद भवन वक्फ भूमि पर बनाया गया है और पुष्टि की कि वक्फ विधेयक पर कानूनी लड़ाई जारी रहेगी। उधर भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने अजमल के बयान की आलोचना करते हुए उन पर बेबुनियाद अफवाहें फैलाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कल को वे आपके घर पर भी दावा कर सकते हैं। वे मेरे घर पर भी दावा कर सकते हैं. ये सभी लोग पेशेवर भूमि हड़पने वाले हैं, । पूनावाला ने इस दावे को एक राजनीतिक चाल बताते हुए खारिज कर दिया।

पिथौरागढ़ में पहाड़ियों ...

बीच ठंड से बचने का प्रयास कर रहे है। प्रशासन ने लिलम, पातो और मिलम से तीन अलग अलग टीमें रेस्क्यू के लिए भेजी है, जिनके रात दस बजे तक पहुंचने की संभावना है गारंटी नहीं है। क्योंकि सड़क नहीं होने की वजह से टीमें ट्रेकिंग करके जा रही है। अत्यधिक ठंड के चलते सीईसी के पास एकमात्र सैटेलाइट फोन की बैट्री कभी भी जवाब दे सकती है। केंद्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार बुधवार को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के मुनस्यारी के दौरे पर पहुंचे हुए थे। उस हेलिकॉप्टर में केंद्रीय चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और उत्तराखंड के उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे शामिल थे। इसी दौरान उसके हेलिकॉप्टर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक बुधवार को केंद्रीय चुनाव आयुक्त और उत्तराखंड के उप मुख्य निर्वाचन देहरादून से हेलिकॉप्टर से ट्रेकिंग के लिए मुनस्यारी के मिलम जा रहे थे। खराब मौसम के कारण उनके हेलिकॉप्टर की एक खेत में इमर्जेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इससे पुलिस प्रशासन में भी हड़कंप मच गया था। हालांकि इमरजेंसी लैंडिंग सफल रही। मुख्य चुनाव आयुक्त जब मिलन की ओर निकल रहे थे, उसी दौरान अचानक मौसम खराब हो गया था। खराब मौसम के कारण पायलट को आगे खतरा महसूस हुआ। पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए हेलिकॉप्टर की पास में ही एक खेत में आपातकालीन सुरक्षित लैंडिंग करा दी। तब जाकर उन्होंने राहत की सांस ली। मुख्य चुनाव आयुक्त के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग से पुलिस प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है।

देश में 31 दवाइयों ...

प्रति गोली, पिलोकार्पिन 16.25 रुपए प्रति एक मिलीग्राम, सेफैड्रोक्सिलन 6.71 रुपए प्रति गोली, फेरिओक्सामाइन 282.98 रुपए प्रति वायल, लिथियम 2.45 रुपए प्रति गोली, बिसोप्रालोल और एम्लोडिपाइन गोली 6.23 प्रति गोली, जैंटामाईसिन और डैक्सामथासोन आई ड्रॉप 2.01 रुपए प्रति मिलीलीटर, लिवोसालबुटामोल और इप्रट्रोपियम्ब्रीमाइडस्प्यूल 5.75 रुपए एक मिलीलीटर, अबकाबीर, डोलुटेग्रेविर और लैमिवुडाइन गोली 161.10 रुपए प्रति गोली, एटोरवस्टेटिन एस्पिरिन और क्लोपिडोग्रेल 5.27 रुपए प्रति कैप्सूल, सेफ्युरोझाइम एक्सेटिल 26.98 प्रति गोली, एल कार्निटाइन मिकोबालामिन और फोलिक एसिड 14.50 रुपए प्रति गोली, सीटाग्लिप्टिन, मैटफॉर्मिन हाइड्रोक्लोराइड आईपी और ग्लिमेपाइराइड आईपी 12.19 रुपए प्रति गोली, डापाग्लिफ्लोजिन सीटाग्लिप्टिन और मैटफॉर्मिन 16.96 प्रति गोली, बिसोप्रोलोल और टेल्मिसर्टन 9.65 प्रति गोली, ईसोमेप्राजोल और डोम्पेरिडोन 5.36 रुपए प्रति कैप्सूल तथा सेफटियास्जोन टाजोबेक्टम 111.16 रुपए वाइल रेट निर्धारित किया गया है। एनपीपीए के उपनिदेशक महावीर सैनी ने बताया कि इस बारे अधिसूचना जारी की गई है।

योगी-आडवाणी समेत ...

की जा रही है। इनमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बसपा सुप्रीमो मायावती, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, भाजपा नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद, नेशनल कांफ्रेंस (नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा अब केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) करेगी। गृह मंत्रालय के तहत दोनों बलों के बीच कर्तव्यों का हस्तांतरण एक महीने के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। सीआरपीएफ की छह वीआईपी सुरक्षा बटालियन को इस उद्देश्य के लिए सातवीं बटालियन को शामिल करने के लिए कहा गया है। ताजा बटालियन वो है जो कुछ महीने पहले तक संसद की सुरक्षा करती थी। पिछले साल हुई सुरक्षा उल्लंघन के बाद संसद की सुरक्षा सीआरपीएफ से हटाकर सीआईएसएफ को सौंप दी गई थी।

आज होगी साल ...

अपनी चांदनी बिखेरेगा। इससे शरद पूर्णिमा की रात इस साल की सबसे चमकीली रात होगी। नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बुधवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि चमकता चंद्रमा पृथ्वी से मात्र तीन लाख 57 हजार 364 किलोमीटर की दूरी पर रहेगा, जो कि इस साल के लिये सबसे कम दूरी है। नजदीकियों के कारण यह अपेक्षाकृत बड़ा और चमकदार दिखेगा। पश्चिमी देशों में इसे हंटर्स मून के नाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि भारत के समयानुसार दोपहर बाद 4 बजकर 56 मिनिट पर यह सबसे निकट बिंदु पर आएगा और इसके लगभग एक घंटे बाद ही यह पूर्व दिशा में शरदसुपरमून के रूप में उदित होकर रात भर आकाश में अपनी चांदनी बिखेरेगा। भले ही धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आप बुधवार रात्रि ही खीर खाकर उत्सव मना रहे हों, लेकिन चमक के मामले में तो वैज्ञानिक रूप से गुरुवार को ही चंद्रमा की चमक अधिकतम होगी। अगर बादल या धुंध बाधा न बने तो आप भी साल की इस सबसे चमकीली रात का लुत्फ उठा सकेंगे। सारिका ने बताया कि पृथ्वी के चारों ओर परिक्रमा करता चंद्रमा गोलाकार पथ में नहीं घूमता बल्कि अंडाकार पथ में चक्कर लगाता है। इस कारण इसकी पृथ्वी से दूरी बढ़कर कभी 406,700 किमी हो जाती है तो कभी यह 356,500 किमी तक पास भी आ जाता है। जब चंद्रमा पृथ्वी के पास आया हो और उस समय पूर्णिमा आती है तो चंद्रमा लगभग 14 प्रतिशत बड़ा और 30 प्रतिशत अधिक चमकदार दिखाई देता है। इसे ही सुपरमून कहा जाता है। गुरुवार को साल का सबसे नजदीकी सुपरमून होगा।

चार्जिंग करते समय...

और 16 साल का एड्रियन इस घटना में जान गंवाने वाले लोग हैं। घटना सुबह लगभग 8 बजे हुई, जब परिवार के सदस्य सो रहे थे। पड़ोसियों के अनुसार, आग उस समय लगी जब सोफे के नीचे चार्जिंग पर रखा एक मोबाइल फोन विस्फोट कर गया। फोन के ब्लास्ट के कारण घर में धुआं भर गया, जिससे परिवार के सदस्यों ने मदद के लिए चीखना शुरू किया, लेकिन किसी को भी मदद नहीं मिल सकी। पड़ोसियों ने आग में घिरे परिवार को बचाने की कोशिश की, लेकिन घर की सुरक्षा के लिए लगाए गए लोहे के दरवाजे और रेलिंग ने उन्हें रोक दिया। फायर ब्रिगेड की टीम जब मौके पर पहुंची, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उन्होंने दरवाजे को तोड़कर घर में प्रवेश किया, लेकिन परिवार के सभी चार सदस्यों की मौत हो चुकी थी। जोस एंटोनियो का शव घर की ऊपरी मंजिल पर मिला, जबकि उनकी पत्नी और बच्चे नीचे की मंजिल पर थे। यह घटना न केवल परिवार के लिए बल्कि पूरे समुदाय के लिए एक भयानक अनुभव रही। यह घटना हमें याद दिलाती है कि मोबाइल फोन का सही तरीके से उपयोग करना कितना महत्वपूर्ण है। चार्जिंग के दौरान सावधानी बरतना न केवल हमारी सुरक्षा के लिए, बल्कि हमारे परिवार और समुदाय के लिए भी जरूरी है।

केरखाबाड़ी में प्लैटिनम जुबली के साथ पांच दिवसीय लखी पूजा का आयोजन

बंगाईगांव (हिंस)। आश्विन माह की पूर्णिमा तिथि को शरद पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। इस दिन सही मुहूर्त में लखी (लक्ष्मी) पूजन करने से धन-धान्य और सुख की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही स्नान-दान का भी इस दिन बड़ा महत्व है। ज्ञात हो कि लखी पूजा का आयोजन असमिया पंचांग के तहत मनाया जाता है। इस दिन शुभ मुहूर्त में माता लक्ष्मी की पूजा करने से धन-धान्य की प्राप्ति होती है। पूरे राज्य के साथ ही आज जिले के जोगीघोपा के विभिन्न स्थानों में माता लक्ष्मी का पूजन का आयोजन किया जा रहा है। जोगीघोपा के केरखाबारी में माता लक्ष्मी की पूजा का आयोजन किया गया है। इस बार यहां लक्ष्मी पूजा का 75वां वर्ष है। प्लैटिनम जयंती वर्ष के मौके पर आज सुबह से यहां पूजा, अर्चना, नाम कीर्तन शुरू किया गया है। धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा करने के लिए पूजा स्थल पर भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी है।

गुवाहाटी में हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने गुवाहाटी में हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। एसटीएफ द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार खुफिया सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर कपिल पाठक के नेतृत्व में एसटीएफ की एक टीम ने पलटन बाजार थाना अंतर्गत दक्षिण सरनिया में छापा मारा और एक व्यक्ति को 28 शीशियों के साथ गिरफ्तार किया, जिसमें 41 ग्राम हेरोइन थी। तस्कर के पास से एक मोबाइल फोन और नकदी भी बरामद की गई। इस सिलसिले में कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

कांग्रेस ने की पुलिस अधीक्षक और थाना प्रभारियों के तबादले की मांग

राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी से की लिखित शिकायत

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने चुनाव आयोग से नगांव के पुलिस अधीक्षक स्वप्निल डेका तथा रूपही एवं खटवाल के थाना प्रभारियों क्रमशः संजीब कुमार राय तथा बिकू बर्मन के तबादले की मांग की है। आज प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष रिपुन बोरा, मुख्य प्रवक्ता एवं महासचिव मेहदी आलम बोरा के साथ ही विधायकों तथा अन्य नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी अनुराग गोयल से आज मुलाकात कर उन्हें शिकायत पत्र सौंपे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा द्वारा हस्ताक्षरित इस शिकायत पत्र में शिकायत की गई है कि सामागुड़ी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक रैली में जाते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा के कथित उपद्रवियों ने मारपीट की। इस संदर्भ में विधायक द्वारा पुलिस अधीक्षक एवं उपरोक्त थाना प्रभारियों के पास की गई लिखित शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। ऐसे पक्षपातपूर्ण रवैये से यह जाहिर होता है कि इन पदाधिकारियों के रहते हुए 13 नवंबर को होने वाला उप-चुनाव स्वच्छ एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न नहीं हो सकेगा। वहीं, इन अधिकारियों के रहते हुए भाजपा के कथित उपद्रवियों का मन बढ़ता रहेगा। कांग्रेस ने मांग की है कि स्वच्छ एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के लिए इन पदाधिकारी का तबादला अविलंब किया जाए। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा मारपीट करने संबंधी की गई शिकायतों के बाद भाजपा के कार्यकर्ताओं ने कहा कि रैली में शामिल होने के लिए जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा के बैनर आदि फाड़ रहे थे, जिसके बाद कुछ लोगों के साथ उनका झड़प हुआ।

गुवाहाटी हवाई अड्डे पहुंचे उप राष्ट्रपति गर्मजोशी के साथ हुआ स्वागत

गुवाहाटी (हिंस)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ असम और मेघालय की दो दिवसीय यात्रा पर बुधवार को गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विशेष विमान से उतरे। हवाई अड्डे पर उप राष्ट्रपति धनखड़ का असम सरकार की ओर से राज्य के वन, पर्यावरण आदि मामलों के मंत्री चंद्र मोहन पटवारी और मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि उप राष्ट्रपति जगदीश धनखड़ गुवाहाटी से पड़ोसी राज्य मेघालय जाएंगे। मेघालय में आयोजित कई कार्यक्रमों में उप राष्ट्रपति हिस्सा लेंगे। उप राष्ट्रपति का स्वागत करने वालों में गुवाहाटी के मेयर मृगेन शरनिया, असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह के साथ ही अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

राज्यपाल ने दीं काति बिहू की शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने काति बिहू के अवसर पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। एक बयान में आचार्य ने कहा कि चूंकि असम की संस्कृति कृषि प्रधान है और राज्य के अधिकांश लोग कृषि पर निर्भर हैं, इसलिए यह बिहू का उत्सव बहुत महत्वपूर्ण है। आशा है कि खेतों में दिया जाने वाला शुभ दीप *आकाश बंति* कीटों और कीड़ों को दूर भगाएगा और अच्छी पैदावार देने में मदद करेगा। इसके अलावा, इस बिहू उत्सव के एक हिस्से के रूप में तुलसी के पौधे के सामने जलाया जाने वाला मिट्टी का दीप शुभ तुलसी के पौधे के साथ हमारे अंतर्निहित संबंधों को दोहराता है।

भाजयुमो का *युवा नेतृत्व कर सकते हैं* शीर्षक अभियान

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) 18 से 23 अक्तूबर तक असम के प्रत्येक जिले में *युवा नेतृत्व कर सकते हैं* शीर्षक से प्रवासी इंटर्नशिप कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। इस अभियान में भाग लेने वाले युवा अपने गृह जिलों से बाहर जाएंगे और दो दिनों तक दूसरे जिले में रहकर जिले के विभिन्न पहलुओं का क्षेत्रीय स्तर पर अध्ययन करेंगे। भाजयुमो ने 12 अक्तूबर को सोशल मीडिया के माध्यम से *युवा नेतृत्व कर सकते हैं* अभियान में भाग लेने के इच्छुक युवाओं से आवेदन मांगने के लिए एक गूगल फॉर्म लांच किया था। राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में छात्र संघों के नेताओं, विभिन्न गैर-राजनीतिक दलों के नेताओं, डॉक्टरों, इंजीनियरों, वकीलों, युवा उद्यमियों और अन्य लोगों सहित सैकड़ों युवा इस कार्यक्रम में भाग लेने में रुचि व्यक्त कर चुके हैं। *यूथ कैन लीड* अभियान राज्य के विभिन्न हिस्सों से युवाओं को सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहलुओं पर क्षेत्र अध्ययन के लिए असम के विभिन्न हिस्सों में भेजेगा। *यूथ कैन लीड* अभियान में शामिल प्रतिभाशाली युवाओं की नई पीढ़ी सामाजिक और राजनीतिक रूप से परिपक्व है। हमारे समाज और देश को आगे बढ़ाने के लिए युवाओं की आवश्यकता है। भारतीय जनता युवा मोर्चा युवाओं में देशभक्ति, भाईचारा, कर्तव्य की भावना, समाज सेवा और कर्म संस्कृति का माहौल बनाने के लिए काम कर रहा है। यूथ कैन लीड अभियान समाज में चरित्रवान नेतृत्व की नई पीढ़ी तैयार करेगा। समाज के नेतृत्व को लेकर चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, जिसके जरिए हमारा राज्य और हमारा देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने युवाओं के व्यापक विकास के लिए बहुत कुछ किया है।

भारी मात्रा में मादक पदार्थ के साथ दंपति गिरफ्तार

गोलाघाट (हिंस)। पुलिस ने गोलाघाट के ढेकियाल से भारी मात्रा में मादक पदार्थ के साथ ड्रग्स के कारोबारी दंपति को आज गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दंपति की पहचान संजय सिंह और पूजा सिंह के रूप में हुई है। दोनों डिमापुर से ड्रग्स की सप्लाई करने के लिए ट्रेन से फरकाटिंग आए थे। जब वे फरकाटिंग से एक वाहन किराए पर लेकर जोरहाट जा रहे थे, इसी दौरान गोलाघाट के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जॉन दास के नेतृत्व में पुलिस ने ढेकियाल चारिआली पर उनका पीछा करके ड्रग्स के साथ दोनों को पकड़ लिया। उनके पास से बरामद ड्रग्स की कीमत करीब पांच लाख रुपए आंकी गई है।

गुवाहाटी में *लखीमिजान* का नाम बदलकर *मियांजान* करने को लेकर विवाद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के हातीगांव में जल निकाय का नाम *लखीमिजान* से बदलकर *मियांजान* करने को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) ने दक्षिण जनकपुर नागरिक समिति की शिकायत के बाद एक साइनबोर्ड हटा दिया। लोगों का दावा है कि कुछ स्थानीय लोगों ने अनौपचारिक रूप से इसका नाम बदलकर *मियांजान* कर दिया है। स्थानीय कुछ निवासियों का दावा है कि इस नाम के पीछे ऐतिहासिक कारण हैं। इसका नाम मियांजान अली नामक व्यक्ति के नाम पर रखा गया है। स्थानीय लोगों का यह भी तर्क है कि साइनबोर्ड, जिसे जीएमसी ने हटा दिया है, शुरू में नगर निगम द्वारा ही लगाया गया था। दक्षिण जनकपुर नागरिक समिति ने जीएमसी से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है तथा जल निकाय का नाम स्पष्ठ करने और विवाद को सुलझाने के लिए तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है।

करीमगंज में आग से मदरसा जलकर राख

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज के बाकरसाल में बुधवार की सुबह लगी भीषण आग में एक मदरसा जलकर राख हो गया। यह आग बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। गनीमत रही मदरसा बंद था, जिससे बड़ा होने से बच गया। मदरसे में आग पास स्थित मूढ़ी की फैक्टरी से लगी। इससे मदरसा पूरी तरह से जल गया। इस दौरान मदरसे में रखी गई कुरान शरीफ समेत कई धार्मिक ग्रंथ जल गए। आग में मूढ़ी कारखाना, मदरसा और एक लकड़ी मिल के कुछ हिस्से जल गए। गनीमत यह रही मदरसा बंद होने के कारण इसमें 50 छात्रों की जान बच गई। आग से करीब 2.5 करोड़ रुपए की संपत्ति के नुकसान होने का अनुमान है।

पूर्वोत्तर राज्यों में भारतीय नौसेना का मोटरसाइकिल अभियान

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय नौसेना 14 से 30 अक्तूबर तक पूर्वोत्तर राज्यों में मोटरसाइकिल अभियान चला रही है, ताकि इन राज्यों में समुद्री जागरूकता बढ़ाई जा सके और युवाओं और नागरिक समाज से संपर्क किया जा सके। नौसेना ने पहले 2022 में पूर्वोत्तर में और 2023 में लेह, लद्दाख में इसी तरह के सफल प्रयास किए हैं। तीन पूर्वोत्तर राज्यों - मेघालय, असम और अरुणाचल प्रदेश में वर्तमान पहल के मुख्य उद्देश्यों में भारतीय नौसेना का प्रदर्शन, अग्निपथ योजना सहित भारतीय नौसेना में करियर के अवसरों के बारे में स्कूलों, कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाना शामिल है। इस अभियान से महिला अधिकारियों और उनके जीवनसाथियों को शामिल करके नारी शक्ति को भी बढ़ावा दिया जाएगा और क्षेत्र में नौसेना के दिग्गजों और वीर नारियों के साथ बातचीत भी की जाएगी। अधिकारियों, नाविकों और परिवार के सदस्यों सहित कुल 40 भारतीय नौसेना कर्मी 15 दिवसीय इस अभियान में भाग ले रहे हैं। मेघालय, असम और अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न शहरों से गुजरते हुए 2, 500 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। भारतीय नौसेना इस आउटरीच कार्यक्रम को शुरू करने के लिए वाहन सहायता प्रदान करने के लिए टीवीएस मोटर कंपनी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

लखी पूजा को लेकर बाजार में उमड़ी भीड़

कोकराझाड़ (हिंस)। धन, सम्पदा, शांति और समृद्धि की देवी मां लखी (लक्ष्मी) की पूजा आज राज्य के सभी हिस्सों के साथ ही कोकराझाड़ में भी धूमधाम से मनाने की तैयारी की जा रही है। लक्ष्मी पूजा को देखते हुए जिले के फकीराग्राम बाजार में सुबह से ही लोग पूजन की सामग्री खरीदने की लिए पहुंचे। मूल्य वृद्धि की वजह से इस बार बाजारों में अन्य वर्षों की तुलना में खरीददारी में उत्साह कम दिखाई दे रहा है। मां लखी की प्रतिमा के अलावा पूजन की सामग्री खरीदने के लिए लोग पहुंचे। आज शाम को लखी पूजा का आयोजन किया जाएगा। ज्ञात हो कि असमिया पंचांग के अनुसार लखी यानी लक्ष्मी पूजा का आयोजन किया जा रहा है। हालांकि, लक्ष्मी पूजा कुछ दिनों के बाद मनाया जाएगा।

रंगापाड़ा नॉर्थ रेलवे स्टेशन को किया जा रहा पुनर्विकसित

गुवाहाटी (हिंस)। रेलवे स्टेशनों की सुविधाओं में बढ़ोतरी और आधुनिकीकरण के क्रम में ब्रह्मपुत्र के उत्तरी तट पर स्थित रंगापाड़ा नॉर्थ रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ पुनर्विकसित किया जा रहा है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के रंगिया मंडल अंतर्गत रंगापाड़ा नॉर्थ रेलवे स्टेशन असम के उन 50 स्टेशनों में से एक है, जिसे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास के लिए चयनित किया गया है। इस स्टेशन को 55.17 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से उल्लेखनीय तौर पर एक नया रूप मिलेगा। कुल मिलाकर, पूसीरे के क्षेत्राधिकार में 92 स्टेशनों को एबीएसएस के तहत पुनर्विकास के लिए चुना गया है। इस स्टेशन के पुनर्विकास से रेल यात्रियों को नवीनतम अत्यधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पूसीरे के

सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया कि असम रेलवे ट्रेडिंग कंपनी द्वारा 1903 में निर्मित रंगापाड़ा नॉर्थ रेलवे स्टेशन असम के शोणितपुर जिले के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण स्टेशन है। यह स्टेशन पूसीरे के रंगिया मंडल के अंतर्गत रंगापाड़ा-मुरकंगसेलेक सेक्शन पर स्थित है। फिलहाल यात्रियों की सुख-सुविधा के लिए नवीनतम साधनों वाले प्रतीक्षालय जैसी सुविधाएं तथा अग्रभाग का कायाकल्प कार्य प्रगति पर है। अन्य चल रहे कार्यों में सर्कुलेटिंग एरिया का विकास, शौचालय ब्लॉक का निर्माण, यात्रियों की पहुंच के लिए द्वितीय प्रवेश द्वार का प्रावधान, दिव्यांगजन के लिए आसान पहुंच वाले वाटर बूथ, ट्रेन इंडिकेशन और कोच गाइडेंस बोर्ड की स्थापना निरंतर गति से प्रगति पर है। स्टेशन पर लंबी ट्रेनों को समायोजित करने के लिए प्लेटफार्मों के सतह का पुनर्निर्माण, प्लेटफार्म शेल्टर और पार्सल संचालन का पृथक मार्ग के साथ प्लेटफार्मों के विस्तारण का कार्य चल रहा है। इसके अलावा, भारी सामान के साथ यात्रा करने वाले दिव्यांगजनों और बुजुर्ग यात्रियों के लिए 3 लिफ्टों का निर्माण किया जाएगा। यात्रियों की आवाजाही को सुलभ बनाने के लिए एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म जाने हेतु 12 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। रंगापाड़ा नॉर्थ रेलवे स्टेशन मालगाड़ियों के लिए एक प्रमुख पड़ाव के रूप में सेवा प्रदान करता है। इस स्टेशन ने असम में चाय उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और यह आज भी इस क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण परिवहन केंद्र बना हुआ है। इस स्टेशन का निर्माण इस क्षेत्र के चाय बागानों से कोलकाता और भारत के अन्य हिस्सों के बाजारों में चाय परिवहन की सुविधा के लिए किया गया था।

नगांव, मारवाड़ी महिला मंच का लाइफस्टाइल प्रदर्शनी *उड़ान* कार्यक्रम सोल्लास संपन्न

नगांव (हिंस)। मारवाड़ी महिला मंच , नागांव द्वारा मंगलवार को श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ भवन में फैशन एवं लाइफ स्टाइल प्रदर्शनी *उड़ान* का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि नगांव नगर पालिका की सभापति श्रीमती अंबिका मजुमदार ने द्वीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पार्षद श्रीमती हेमा झंवर भी उपस्थित थी। श्रीमती अंबिका मजुमदार का श्रीमती शकुंतला करवा ने और श्रीमती हेमा झंवर का श्रीमती सुमित्रा अग्रवाला व मंजू अग्रवाल ने फुलाम गमछा से स्वागत किया। कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती भारती नाहटा ने सभी का अभिनंदन करते हुए स्वागत भाषण दिया। इस प्रदर्शनी में मुंबई, सुरत, कोलकाता, तिनसुकिया, होजाई, गुवाहाटी, नगांव से आये आभूषण, सलवार सूट, साड़ी, बेडशीट, बच्चों के कपड़े, सजावट के सामान, घर में उपयोग की सामग्री, केक-पेस्ट्री, मुखवास, बैग, पर्स, चप्पल आदि के स्टॉल लगाए गए थे। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मलेन, लायंस क्लब, अग्रवाल सभा, तेरापंथ सभा, वनबंधु परिषद, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति, मारवाड़ी युवा मंच

समृद्धि शाखा, के पदाधिकारी एवं सदस्यों के साथ अनेक संस्थाओं के सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में भारी उत्साह देखा गया और काफी संख्या में खरिदारो की भीड़ रही। कार्यक्रम की सफलता पर नगांव महिला मंच की ओर से सभी का धन्यवाद किया गया।

राजधानी ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की मौत

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिले के बासुगांव रेलवे स्टेशन के समीप राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से एक वृद्ध महिला की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बुधवार की सुबह अप राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। मृत महिला पैदल पटरी पार कर रही थी, इसी दौरान यहां हादसा हुआ। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची रेलवे पुलिस की टीम ने मृत महिला के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। अंतिम सूचना मिलने तक वृद्ध महिला की पहचान नहीं हो पाई थी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मृतका की पहचान करने में जुटी हुई है।

ज्ञान करे भव पार कार्यक्रम आयोजित

विवेक को बढ़ाता है ज्ञान : मुनि प्रशांत

गुवाहाटी। मुनि प्रशांत कुमार, मुनि कुमुद कुमार के सान्निध्य में *ज्ञान करे भव पार* कार्यक्रम आयोजित हुआ। जनसभा को संबोधित करते हुए मुनि प्रशांत कुमार ने कहा कि ज्ञान मनुष्य गति का एक अवदान है। हमारे इस मनुष्य जीवन में ज्ञान का जितना विकास होता है उतना ही अज्ञान दूर होता है। मनुष्यत्व का भाव बढ़ना बहुत जरूरी है। मोक्ष के मार्ग में एक मार्ग ज्ञान होता है। ज्ञान प्राप्ति के कई रास्ते हैं। ज्ञानी व्यक्ति कितनों के लिए प्रेरणादायी बनता है। हमें सभी प्रकार का ज्ञान होना चाहिए। इतिहास हमें प्रेरणा प्रदान करता है तो तत्वज्ञान से हमारी भीतरी चेतना जागृत होती है। ज्ञान विवेक को बढ़ाता है। विवेकी व्यक्ति सही गलत को पहचान कर सही पथ प्राप्त करता है। सम्यक् ज्ञान मोक्ष प्राप्ति में सहायक बनता है। स्वाध्याय करने के साथ-साथ चिंतन-मनन भी होना चाहिए। विनम्रता से विद्या बढ़ती है। ज्ञान कौन-सा जिससे भावना सम्यक् बनें, जिससे स्व-पर का हित होता है वहीं वास्तव में सही मायने में ज्ञान होता है। मुनि कुमुद कुमार ने श्रावक समाज में ज्ञान विकास का बहुत रोचक कार्यक्रम प्रस्तुत किया है। परिश्रमपूर्वक आप सभी को कर्म निर्जरा करने का अवसर दिया है। सभी ने बहुत अच्छा प्रयास किया है। सभी ने इस माध्यम से बहुत कुछ पाया है। समय-समय पर ज्ञान प्राप्ति का प्रयास करते रहना चाहिए। चातुर्मास में समय-समय पर आयोजित कार्यक्रम में सहभागी बनना चाहिए। ज्ञान

एवं ज्ञानी की आसातना से बचकर उपकारी के उपकार को स्मृति में रखना चाहिए। ज्ञान बढ़ने के साथ अहंकार से बचना आवश्यक है अन्यथा ज्ञान अज्ञान बन जाता है। अनन्त छाजेड़ ने बताया कि मुनि कुमुद कुमार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में तत्व, ग्रंथों के साथ-साथ जैनधर्म एवं तेरापंथ संघ के बारे में महत्वपूर्ण तथ्यों को प्रस्तुत किया गया। इतिहास एवं संसार-मोक्ष को जानने का यह कार्यक्रम बहुत ही रोचक रहा। संयम छाजेड़ संयोजक सहयोग, मुदित चौरड़िया स्कोर भूमिका एवं संचालन मुनि कुमुद कुमार ने किया। स्वागत भाषण किशोर मंडल सह संयोजक कौशल बुच्चा एवं आभार किशोर मंडल संयोजक तरुण डोसी ने किया। अरिहंत ग्रुप ने अपने कंठस्थ ज्ञान की प्रतिभा को उजागर करते हुए महत्वपूर्ण स्थान को प्राप्त किया।

संपादकीय

नफरती हिंसा की वजह

जब भी हिंदू देवी-देवता की प्रतिमा की विसर्जन या शोभा-यात्रा निकलती है, तो वह नफरत, अराजकता, वैमनस्य और हिंसा में तबदील क्यों हो जाती है? कई बार हत्याएं भी कर दी जाती हैं। यह सिलसिला लगातार जारी है। मुसलमानों का कोई मजहबी जुलूस या मौका हो, तो हिंदू उस पर प्रहार नहीं करते। उसमें रोड़ा नहीं अटकाते। यहां तक कि हिंदुओं ने मस्जिद से की जाने वाली अजान पर भी सांप्रदायिक आपत्ति नहीं जताई है। शोभा-यात्रा निकालने की अपनी शोभा है। मुसलमानों को उस पर क्या आपत्ति होनी चाहिए? भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और धार्मिक आजादी का मौलिक अधिकार भी हमें दिया गया है। फिर हिंसा और हत्याओं की क्या वजूहात हो सकती हैं? हम कई बार यह सवाल उठा चुके हैं कि अचानक एक भीड़ कहां से उमड़ आती है? घरों और मस्जिद की छतों से पथराव कैसे होने लगता है? ये छोटे-बड़े पत्थर कहां से, किस तरह इक_ा किए जाते हैं? कुछ शहरों, कस्बों में अचानक तलवारें भी चमकने लगती हैं। तलवारें, डंडे और हथियार कहां से आते हैं? कौन उनकी सप्लाई करता है? क्या पत्थरबाजी, दंगे, खून-खराबे की कोई पूर्व नियोजित साजिश तैयार की जाती है? तो साजिशकार कौन हैं? सिर्फ उप्र के बहराइच में ही सांप्रदायिक हिंसा, आगजनी, तोड़-फोड़ नहीं हुई है। बहराइच को छावनी में तबदील करना पड़ा। करीब 30 संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया और 10 के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए गए। उप्र के कई इलाकों में सांप्रदायिक माहौल बिगड़ता रहा है। फिलहाल बहराइच जैसे हालात तेलंगाना, कर्नाटक, झारखंड और पश्चिम बंगाल आदि राज्यों के शहरों और कस्बों में भी पैदा किए गए हैं। सांप्रदायिक हिंसा, दंगे अपने आप ही नहीं भडक़ते, उन्हें सुलगाया और फैलाया जाता है। भारत में दंगों के काले इतिहास मौजूद हैं। दंगे औसतन सभी राज्यों में होते रहे हैं। उनके असंख्य उदाहरण भी मौजूद हैं। बेशक सरकार किसी भी दल की रही हो! संविधान के किस अनुच्छेद में यह उल्लेख है कि अमुक मुसलमानों का इलाका है, तो ये हिंदू, सिख, ईसाई आदि के इलाके हैं? ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। जिन मोहल्लों में मुस्लिम आबादी रहती है, प्रशासन उन्हें 'संवेदनशील' घोषित करता है, जबकि गैर-मुस्लिम क्षेत्रों के संदर्भ में ऐसा नहीं है। मुसलमान संवेदनशीलता के आधार पर नाजुक इलाके क्यों हैं? दरअसल देश को इलाकों और मोहल्लों में बांटा नहीं जा सकता। इस बार भी मुसलमानों ने आपत्ति की कि शोभा-यात्रा उनकी मस्जिद के सामने से क्यों गुजरी? क्या यह कानूनन अपराध है या कोई प्रतिबंध लगा रखा है? किसी मुस्लिम की छत से 'हरा झंडा' उतारा गया और उसकी जगह 'भगवा झंडा' लहराया गया, यह अनैतिक हरकत है। इसका कोई औचित्य भी नहीं है। यह घोर सांप्रदायिक है। अवैध कब्जे की एक हरकत है। यदि ऐसी हरकत कर भी दी गई, तो गोली मार कर एक इनसानी हत्या करने की नौबत क्यों आई? जिस हिंदू नौजवान को मार दिया गया, उसकी शादी मात्र दो माह पहले ही हुई थी। किसी औरत को इस कदर विधवा कर देना क्या 'मजहबी प्रावधान' है? जाहिर है कि अलग-अलग समुदायों के लोगों के भीतर नफरत और उन्माद भरे हैं। दूसरी तरफ, यदि शोभा-यात्रा के दौरान उग्रता, हुड़दंग, अभद्र शोर, भडक़ाऊ नारेबाजी की जाती है, तो वह धार्मिक यात्रा भी बेमानी है। बहराइच या अन्य राज्यों के शहरों में जो नफरती टकराव हुए, वे वाकई अपराध हैं, लेकिन क्या दंगों की भीड़ को कभी सजा दी गई है? कहा जा रहा है कि बीते चार महीने के दौरान ही देश का माहौल बदल गया और आदमी दूसरे को मरने-काटने पर आमादा है। इसका बुनियादी कारण क्या है? चार महीने में देश के सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक ढांचे में ऐसा कौनसा बदलाव आया है कि इनसान हत्या पर उतारू है। भारत तो अपनी सहिष्णुता, सौहार्द, समभाव के लिए विश्वविख्यात रहा है। यदि ऐसे ही सांप्रदायिक टकराव जारी रहेंगे, तो देश की छवि, प्रतिष्ठा कलंकित होगी। हिंदू और मुसलमान दोनों ही समुदाय इस देश के नागरिक हैं।

मुसलमानों का कोई मजहबी जुलूस या मौका हो, तो हिंदू उस पर प्रहार नहीं करते। उसमें रोड़ा नहीं अटकाते। यहां तक कि हिंदुओं ने मस्जिद से की जाने वाली अजान पर भी सांप्रदायिक आपत्ति नहीं जताई है। शोभा-यात्रा निकालने की अपनी शोभा है। मुसलमानों को उस पर क्या आपत्ति होनी चाहिए? भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और धार्मिक आजादी का मौलिक अधिकार भी हमें दिया गया है। फिर हिंसा और हत्याओं की क्या वजूहात हो सकती हैं? हम कई बार यह सवाल उठा चुके हैं कि अचानक एक भीड़ कहां से उमड़ आती है? घरों और मस्जिद की छतों से पथराव कैसे होने लगता है? ये छोटे-बड़े पत्थर कहां से, किस तरह इक_ा किए जाते हैं? कुछ शहरों, कस्बों में अचानक तलवारें भी चमकने लगती हैं। तलवारें, डंडे और हथियार कहां से आते हैं? कौन उनकी सप्लाई करता है? क्या पत्थरबाजी, दंगे, खून-खराबे की कोई पूर्व नियोजित साजिश तैयार की जाती है? तो साजिशकार कौन हैं? सिर्फ उप्र के बहराइच में ही सांप्रदायिक हिंसा, आगजनी, तोड़-फोड़ नहीं हुई है।

हिन्दुओं एवं हिंदू पहचान के प्रतीकों को निशाना बनाया जाना बदस्तूर रहना किसी अन्तर्राष्ट्रीय साजिश का हिस्सा हो सकता है

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार, सख्त कार्रवाई की दरकार

ललित गर्ग

बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों एवं हिन्दुओं पर हो रहे हमलें, मशहूर जेशोश्वरी मंदिर में मुकुट का चोरी होना, हिन्दू अल्पसंख्यकों से जबरन इस्तीफा के लिये दबाव बनाने की घटनाएं, दुर्गा पूजा के पंडाल पर हमले चिन्ता के बड़े कारण हैं, यह हिन्दू अस्तित्व एवं अस्मिता को कुचलने की साजिश एवं षडयंत्र है, जिस पर भारत सरकार को गंभीर होने के साथ इन पर नियंत्रण की ठोस कार्रवाई की अपेक्षा है। बीते अगस्त में शुरू हुई राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शेख हसीना का प्रधानमंत्री पद से हटना और भारत आने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों को असामाजिक तत्वों व कट्टरपंथियों द्वारा हवा दिया जाना शर्मनाक एवं विडम्बनापूर्ण है। नई दिल्ली में बांग्लादेश के हिन्दू-अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के प्रश्न को लेकर बार-बार चिंता तो व्यक्त की जा रही है, लेकिन करारा एवं सख्त संदेश देने की कोई कोशिश होती हुई नहीं दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा सरकार के शासन में यदि ऐसी घटनाओं पर सख्ती नहीं बरती गयी तो फिर कब बरती जायेगी? यह विडंबना ही है कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता व कार्यवाहक रूप में सरकार के मुखिया का दायित्व निभा रहे मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में हिन्दुओं एवं हिंदू पहचान के प्रतीकों को निशाना बनाया जाना बदस्तूर रहना किसी अन्तर्राष्ट्रीय साजिश का हिस्सा हो सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में विजयदशमी पर्व पर आयोजित रैली को सम्बोधित करते हुए हिन्दुओं पर हो रहे इन हमलों को लेकर बड़ा संदेश दिया है, अपेक्षा है सरकार भी जैसे को तैसे वाली स्थिति में आकर हिन्दुओं की रक्षा की सार्थक एवं प्रभावी पहल करें।

बांग्लादेश की आबादी में 7.95 फीसदी-सवा करोड़ से ज्यादा हिंदू शामिल हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ जो कुचक्र रचे गये, उसी तरह की साजिश बांग्लादेश में सिर उठा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो महीने में बांग्लादेश के 52 जिलों में हिंदू समुदाय पर हमले की 200 से ज्यादा घटनाएं हुई। आज बांग्लादेश सांप्रदायिकता एवं कट्टरता की आग में झुलस रहा है। सांप्रदायिकता और धार्मिक कट्टरता लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। दोराहे पर खड़े बांग्लादेश में यह खतरा बढ़ता जा रहा है। खतरे की गंभीरता को देखते हुए वहां अंतरिम सरकार ने हिंदू मंदिरों, गिरजाघरों या अल्पसंख्यकों के किसी भी धार्मिक संस्थान पर हमलों की जानकारी देने के लिए हॉटलाइन शुरू की थी, लेकिन कितनी ही शिकायतें मिलने के बावजूद उन पर कार्रवाई का न होना, इनको लेकर मोहम्मद यूनुस सरकार का चुप्पी साधे रखना इस समस्या को गंभीर बना रहा है। बांग्लादेश के कट्टरपंथी वहां के हिंदुओं के लिए ही नहीं, भारत की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं। इन हमलों एवं कट्टरतावादी शक्तियों का सक्रिय होना भारत एवं बांग्लादेश दोनों ही देशों के लिये खतरनाक है। कट्टरपंथियों के निरंकुश बने रहने से वहां की सरकार के इरादे और इच्छाशक्ति सवालों के घेरे में है।

हिन्दू अल्पसंख्यकों से जबरन इस्तीफा के लिये दबाव बनाने की घटनाएं, दुर्गा पूजा के पंडाल पर हमले चिन्ता के बड़े कारण हैं, यह हिन्दू अस्तित्व एवं अस्मिता को कुचलने की साजिश एवं षडयंत्र है, जिस पर भारत सरकार को गंभीर होने के साथ इन पर नियंत्रण की ठोस कार्रवाई की अपेक्षा है। बीते अगस्त में शुरू हुई राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शेख हसीना का प्रधानमंत्री पद से हटना और भारत आने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों को असामाजिक तत्वों व कट्टरपंथियों द्वारा हवा दिया जाना शर्मनाक एवं विडम्बनापूर्ण है।

भारत ने उचित तरीकों से ही इन घटनाओं को बेहद गंभीर बताते हुए इन पर न केवल चिंता जताई बल्कि अपनी आपत्ति भी दर्ज कराई। गौर करने की बात है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का यह मसला धीरे-धीरे दोनों देशों के रिश्तों में खटास घोलते हुए एक अहम फैक्टर बनता जा रहा है। दुर्गापूजा के पंडाल में बम फेंके जाने की खबर स्वाभाविक ही बांग्लादेशी हिंदू बिरादरी को सहमा एवं डरा देने वाली है। जेशोश्वरी मंदिर में मां काली के ताज की चोरी इस मायने में भी अहम है कि यह ताज 2021 में अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तोहफे के तौर पर दिया था। यही नहीं, गुरुवार को चटगांव में दुर्गापूजा के दौरान कुछ लोगों द्वारा जबरन इस्लामी क्रांति के गीत गाए जाने की भी खबर आई। ऐसे में भारत अगर इन घटनाओं के पीछे सुनियोजित साजिश की आशंका जता रहा है तो उसे निराधार नहीं कहा जा सकता। ऐसे में लगातार बिगड़ती स्थितियों में यूनुस और उनके सहयोगियों को शासन और कूटनीति से जुड़े गंभीर मसलों पर परिपक्वता दिखानी होगी। आंदोलन से जुड़े गैर जिम्मेदार तत्व अनाप-शनाप आरोप लगाएं तो कुछ हद तक समझा जा सकता है लेकिन अगर शासन में बैठे लोग भी इन तत्वों का समर्थन करते हुए दिखें तो उसे सही नहीं कहा जा सकता। यह एक अराजकता की स्थिति है।

बांग्लादेश में बद से बदतर हो रहे हालात एवं हिंदुओं पर लगातार हो रहे अत्याचार, उत्पीड़न, हमलों को लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने सावधान कर कोई गलत नहीं किया। सक्रिय, व्यवस्थित और संगठित होकर ही ऐसी नापाक एवं संकीर्ण मानसिकताओं का माकुल जबाव दिया जा सकता है। भागवत ने कहा, ''दुर्बल रहना अपराध है, हिंदू समाज को ये समझना चाहिए। अगर आप संगठित नहीं रहते हैं, तो आपको मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।'' देश के दुश्मनों की ओर इशारा करते हुए मोहन भागवत ने कहा, ''भारत लगातार आगे बढ़ रहा है, लेकिन जब कोई भी देश जो आगे बढ़ रहा होता है तो उसकी राह में अडंगा लगाने वाले लोग भी बहुत सारे होते हैं। इसलिए दूसरे देशों की सरकारों को कमजोर करना दुनिया में चलता रहता है।' लेकिन किसी राष्ट्र को कमजोर करने के लिये हिंदुओं यानी अल्पसंख्यकों पर हमलों का सहारा लेना, उन्हें प्रोत्साहित करना विकृत एवं अराष्ट्रीय मानसिकता का द्योतक है।

वैसे भी बांग्लादेश का विकास भारत के सहयोग पर निर्भर है, जिस भू-भाग को रवींद्रनाथ टैगोर 'आमार सोनार बांग्ला' (मेरा स्वर्णिम बंगाल) कहते थे, जहां की अर्थ-व्यवस्था एवं अन्य विकास योजनाएं भारत के सहयोग से ही आगे बढ़ती रही है, कभी भारत की कोशिशों से ही बांग्लादेश अस्तित्व में आया था। बांग्लादेश को आधी से ज्यादा बिजली भारत से मिलती है। अनाज की बड़ी सप्लाई भी भारत से होती है। अगर भारत ने व्यापारिक संबंध तोड़ लिए तो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था चौपट हो सकती है। बावजूद इन सब स्थितियों के वहां भारत-विरोधी घटनाओं का उग्र से उग्रतर होना खुद के पांव पर कुल्हाड़ी चलाने जैसा है। बांग्लादेशी आकाओं को भगवान सद्बुद्धि दे। फिर भी अगर बांग्लादेश नहीं सुधरता है तो समय आ गया है कि हिंदुओं को निशाना बनाने की घटनाओं पर भारत कड़ा रुख अख्तियार करे। बांग्लादेश पर दबाव बनाने के साथ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को पुरजोर ढंग से उठाना चाहिए। इसके लिए कूटनीतिक प्रयास तेज करने की जरूरत है।

दृष्टि कोण

लद्दाख आंदोलन की अनदेखी न हो

एक महीने से ज्यादा समय से लद्दाख से अपनी मांगों को लेकर पदयात्रा करते हुए सोनम वांगचुक के नेतृत्व में दिल्ली पहुंच कर सौ से ज्यादा लोग बैठे हैं। कठिन जलवायु में इतनी लंबी यात्रा करके 80 वर्ष के बूढ़े साथियों समेत यह दल दिल्ली पहुंचा है। दिल्ली पुलिस का इनके साथ व्यवहार कुछ अच्छा नहीं रहा। बिना कारण आप क्यों शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात कहने के लिए इतने कष्टों के बाद दिल्ली पहुंचने पर उनके साथ शकिया लोगों जैसा व्यवहार कर रहे हैं। पुलिस की यह अति सक्रियता स्वयंभू थी या प्रेरित, यह कहना तो कठिन है, किन्तु अवांछित थी, यह तो निश्चय ही कहा जा सकता है। उसके बाद भी अभी तक सरकार की ओर से आंदोलनकारियों से बातचीत का कोई संदेश मिला नहीं लगता। हरियाणा और जम्मू एवं कश्मीर के चुनाव के चलते सरकार की अति व्यस्तता तो समझ में आती है, किन्तु अब कोई बाधा नहीं दिखती, इसलिए यह आशा की जानी चाहिए कि सरकार अति शीघ्र वार्ता करके सोनम वांगचुक का आमरण अनशन समाप्त करवाएगी और समस्या का सर्व समावेशी हल तलाश करने की दिशा में मार्ग प्रशस्त करेगी, ताकि शांति बनी रहे। सोनम वांगचुक पिछली सर्दियों में भी लद्दाख की कुछ मांगों को लेकर लंबा अनशन कर चुके हैं। उनकी कुछ मांगें केवल लद्दाख केन्द्रित हैं और कुछ पूरे हिमालय के संवेदनशील पर्यावरण को बचाने से संबंधित हैं। लद्दाख को सी श्रेणी राज्य का दर्जा देकर विधानसभा और उप राज्यपाल की व्यवस्था की जा सकती है। जाहिर है कि स्थानीय समस्याओं को जितना चुने हुए प्रतिनिधि समझ सकते हैं उतना प्रशासनिक तंत्र नहीं समझ सकता, जिससे लोगों में असंतोष बना रह सकता है। इस सीमान्त क्षेत्र में देश किसी असंतोष को सहन करने की स्थिति में नहीं है। दूसरी मांग छठी अनुसूची में डालने की है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 244 के अनुसार छठी अनुसूची लागू की गई। छठी अनुसूची को स्वायत्त जिला परिषदों की स्थापना और संचालन करके स्वदेशी आदिवासी समूहों की रक्षा के लिए बनाया गया था। असम, मिजोरम और मेघालय में तीन-तीन स्वायत्त जिला परिषदें हैं, त्रिपुरा में केवल एक है। स्वायत्त जिला परिषदों को अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों के लिए कानून बनाने का अधिकार है, जिसमें भूमि, खेती, विरासत, वन, और रीति-रिवाजों सहित आदिवासी और स्वदेशी समूहों से संबंधित हर पहलू को शामिल किया गया है। उन्हें भूमि और अन्य कर एकत्रित करने का भी अधिकार है। इससे छठे अनुसूची क्षेत्रों को बाहरी दबावों से बचाव की प्रभावी शक्तियां मिल जाती हैं, जिनका उपयोग स्थानीय संवेदनशील पर्यावरण और परंपराओं को संरक्षित करने में किया जा सकता है। पर्वतीय लोग आर्थिक रूप से उतने सशक्त नहीं होते क्योंकि वहां संसाधनों की कमी रहती है। यदि कुछ संरक्षण न दिया जाए तो पैसे वाले लोग वहां के संसाधनों को खरीद कर स्थानीय लोगों को हाशिए पर ला सकते हैं। यह डर सभी पर्वतीय राज्यों में कमोबेश रहा है। आदिवासी लोगों में यह और भी ज्यादा है। इस मुद्दे पर चर्चा करके रास्ता निकाला जा सकता है। लेकिन उनकी चिंता निराधार नहीं ठहराई जा सकती। सुना गया है कि लद्दाख के लोगों से छठी अनुसूची में लाने का वादा वर्तमान सरकार द्वारा किया गया था, तो इस समस्या को हल करने में कठिनाई नहीं होनी चाहिए। फिर भी सरकार हिचकिचा क्यों रही है, समझ से परे है। पर्यावरण संरक्षण से जुड़े मुद्दों के बारे में उनकी मांगें हिमालय व्यापी महत्व रखती हैं। इसी कारण अन्य हिमालयी राज्यों में भी सोनम वांगचुक के संघर्ष के प्रति समर्थन का भाव है। पर्यावरण मित्र विकास और बृहदाकार निर्माण आधारित विकास में टकराव पूरे हिमालय में ही देखने को मिल रहा है। बृहदाकार निर्माण आधारित विकास संवेदनशील हिमालयी परिस्थिति तंत्र को तोडफ़ोड़ कर आगे बढ़ता है जिससे एक ओर पर्वतीय क्षेत्रों में मानव निर्मित आपदाओं में बढ़ोतरी हो रही है, तो दूसरी ओर लोगों को पर्याप्त रोजगार भी नहीं मिल रहे। आपदाग्रस्त और विस्थापितों का पुनर्वास भी बड़ी समस्या बना हुआ है। भाखड़ा और पौंग बांधों के विस्थापित अभी तक भी पूरी तरह से बस नहीं पाए हैं। इसलिए हिमालय में विकास के लिए वैकल्पिक मॉडल की खोज नवाचार के माध्यम से करनी होगी। कम से कम इतना तो मान कर ही चलना होगा कि हिमालय के लिए 'स्माल इज ब्यूटीफल' पर्वतीय राज्यों पर जलविद्युत उत्पादन का बड़ा दबाव है। इसमें कुछ नदियां तो लुप्त प्रायः ही हो गई हैं। ये झील में हैं या सुरंग में हैं। नदी तंत्र की रक्षा के लिए नदी दोहन की कोई सीमा निर्धारित करनी होगी। मान लो 60 फीसदी से ज्यादा नदी का दोहन नहीं करेंगे, तो नदी भी जिंदा रहेगी और बिजली भी बन जाएगी।

कुछ अलग

आह पेंशन भोगी! वाह पेंशन भोगी!..

समस्त जीव जगत नस्ल नस्ल के भोगियों, रोगियों से अटा पटा पड़ा है। यहां कोई कर्मभोगी है तो कोई धर्मभोगी। कोई गरमभोगी है तो कोई नरमभोगी। कोई शर्मभोगी है तो कोई बेशर्मभोगी। कोई सत्ताभोगी है तो कोई म_ाभोगी। कोई पेंशनभोगी है तो कोई वेतनभोगी। पर मैं इन सबसे अलग हटकर भुक्तभोगी हूं। अपनी अपनी फील्ड में चरम भोग करने के बाद भी हर भोगी की अपनी अपनी पीड़ाएं हैं, अपनी अपनी कथाएं, अंतरकथाएं हैं, अपनी अपनी व्यथाएं हैं। वे वेतनभोगी वेतनभोगी नहीं जिनकी पांचों उंगलियां घी में और सिर हरदम कड़ाही में न हो। मेरे लिए ऐसे वेतनभोगी प्रातः स्मरणीय हैं, पल पल वरणीय हैं। कभी वे भी ऐसे ही वेतनभोगी थे। जब वे वेतनभोगी थे तो मत पूछो कितने भोगी थे? पर सब उनको कहते योगी थे। योगी वही जो जमकर अपने पद का भोग करे, उपभोग करे, दुरुपयोग करे। और अब वे वेतनभोगी से पेंशनभोगी क्या हुए कि जब देखो रोना ही रोना। सरकार ये नहीं दे रही, सरकार वो नहीं दे रही। महीनों के मेडिकल क्लेम लटके पड़े हैं। पहले तो अपना राज था। बिन बीमार हुए भी जितना मन किया कागजों में जमकर बीमार हो लेते थे। अब सच्ची को बीमार हो रहे हैं तो महीनों के मेडिकल क्लेम पेंडिंग। डर लगता है अब तो सच्ची को बीमार होते भी। कल इन्हीं पेंशनभोगी जी महाराज का फोन आया। मुझे पता था कि इधर मैं उनका फोन उठाऊंगा, उधर वे अपना पेंशनरी रोना शुरू कर देंगे। जबकि उनको लाख बार कहा कि बंधु! बड़े से बड़े वेतनभोगी को भी एक न एक दिन पेंशनभोगी होना ही पड़ता है, चाहे वह नाक रगड़ रगड़ कितनी ही एक्सटेंशनें लेता रहे। इसलिए हे नर! पेंशनर होने के दिन रोने के नहीं, लंबी तान प्रसन्नचित्त सोने के दिन हैं। जनता की गालियों से बचे तो करोड़ों कमाए। मैंने फोन उठाते ही उन पेंशन पीड़ित को हंसाते पूछा, 'और प्रभु, कैसे हो?' 'बुरे हाल हैं। पेंशन मर्जी की मिल रही है', वे पेंशनभोगी होने से पहले जो अपने ऑफिस में काम करवाने आने वालों को रुलाया करते थे, उनकी तरह रोने लगे। 'तो क्या हो गया? इसी बहाने सब्र से इंतजार करने का आनंद लो। यहां इंतजार करने के सिवाय और कर भी क्या सकते हैं?' 'खाक आनंद लो! अब कहां रहा पेंशन में वह सब्र! काश! तुम भी मेरी तरह पेंशनधारी होते तो तुम्हें पता चलता कि पेंशन का इंतजार पेंशनर पल पल कैसे करता है? एक तो पेंशनर होने के बाद और पहले ही टेंशनें कम न थीं, अब पेंशन की भी टेंशन। अब देखो न! वेतनभोगियों को वेतन पहले और पेंशनभोगियों को पेंशन बाद में! क्या पेंशनभोगी भोगी नहीं? क्या हमारे पेट नहीं? क्या हमारे बच्चे नहीं? क्या हमारे बीवियां नहीं? ऊपर से हर दूसरे दिन कोई न कोई त्योहार! क्या हमारी जरूरतें नहीं? बंधु! जीव मर जाता है, पर उसकी जरूरतें कभी नहीं मरतीं। क्या हम बीमार नहीं होते? वैसे पेंशनभोगी और पितर को प्रसन्न करना बहुत आसान होता है बंधु! पेंशनभोगी को समय पर पेंशन, मेडिकल क्लेम और एरियर मिल जाएं तो वह प्रसन्न और पितर का उसकी तिथ पर श्राद्ध हो जाए तो वह प्रसन्न।' 'देखो दोस्त! भले ही पेंशनभोगी नरकभोगी हो जाए तो हो जाए, पर सरकारी एरियर की एक खासियत तो जरूर है कि वह नहीं मरता। एरियर के असली हकदार के मरने के बाद भी उसे नहीं तो उसके परिवार वालों को मिलकर ही रहता है।' 'ऐसे एरियर का क्या करना जो जायज हकदार के मरने के बाद मिले, जिसका वह भोग न कर सके', मित्र ने वाजिब सवाल उठाया तो मैंने उन्हें मरने के बाद मिलने वाले एरियर का सबसे बड़ा लाभ बताया, 'देखो दोस्त! वैसे जाने के बाद तो छोड़ो, जिंदा रहते भी बिन जरूरत के यहां कोई किसी को याद नहीं करता। पर जब तुम्हारे मरने के बाद तुम्हारे नाती-पोतों को तुम्हारा एरियर मिलेगा तो कुछ देर के लिए ही सही, मत पूछो, उन्हें कितनी प्रसन्नता होगी।

देश दुनीया से

युवा डॉक्टरों को भी आत्मनिरीक्षण की जरूरत

अब जब मैं कोलकाता से यह लेख लिख रहा हूं, तो युवा डॉक्टरों को सड़क पर उतरकर, अपनी आवाज़ उठाते, पश्चिम बंगाल के सरकारी अस्पतालों में भ्रष्टाचार के विशाल नेटवर्क का पर्दाफाश करते या उनमें व्याप्त 'धमकाने वाली संस्कृति' के अत्याचार को उजागर करते और अपने कार्यस्थल पर सुरक्षा और संरक्षण की मांग करते हुए देख रहा हूं। हां, उनका दृढ़ निश्चय या सत्ताधारी राजनीतिक प्रतिष्ठान से लड़ने का उनका साहस वाकई में प्रशंसनीय है। फिर भी, मैं उनसे और उनके वरिष्ठ सहयोगियों से अपील करना चाहता हूं कि वे अपने क्षितिज को व्यापक बनाएं, पर्याप्त रूप से आत्म-चिंतनशील बनें और साथ ही आधिपत्यवादी बायोमेडिसिन की खामियों का आलोचनात्मक विवेचन करें – इसके प्रभुत्व का विमर्श, इसके वस्तुकरण और इससे जुड़े अनेकानेक आचरणों का। हालांकि, डॉक्टरों का मैं भी प्रशंसक हूं, और मैं आधुनिक चिकित्सा की उल्लेखनीय उपलब्धियों से अवगत हूं। जैसे कि, व्यक्ति इंसुलिन लेकर अपने मधुमेह को नियंत्रित कर लेता है और यथासंभव सामान्य जीवन सुचारु रूप से जीता है, या फिर घुटने की सर्जरी करवाकर पुनः आत्मविश्वास से चलने लगता है – आधुनिक चिकित्सा की श्लाघापूर्ण गाथाएं हर घर में सुनी जा सकती हैं। लेकिन फिर भी, इन उपलब्धियों के बावजूद, मैं अपनी दुविधा से इनकार नहीं कर सकता, यहां तक कि आधुनिक बायोमेडिकल व्यवस्था की कुछ गंभीर आलोचना भी करता हूं। मैं चाहता हूं कि युवा डॉक्टर – विशेषकर – क्योंकि उन्होंने अभी तक अपनी आलोचनात्मक सोच खोई नहीं होती, व्याप्त प्रणाली की आलोचना पर विचार करें और अपने संघर्ष को एक नया अर्थ दें। युवा डॉक्टरों को ज्ञान की प्रचलित राजनीति पर विचार करने की जरूरत है। क्या यह तथ्य नहीं है कि आयुर्वेद, यूनानी या होम्योपैथी जैसी 'पारंपरिक' चिकित्सा प्रणालियों को खारिज करना काफी आसान है? यदि बतौर एक मरीज आप आधुनिक बायोमेडिकल प्रणाली से असंतोष के बारे में बोलने की हिम्मत करते हैं, तो आपको याद दिलाया जाएगा कि आप केवल एक अनाड़ी हैं, इसलिए, आपके लिए डॉक्टर द्वारा सुझाए गए या निर्धारित की गई हर चीज या लिखे नुस्खे को स्वीकार करना श्रेयस्कर है। वास्तव में, जैसा कि इवान इलिच ने अपनी उत्कृष्ट रचना 'लिमिट्स टू मेडिसिन' में बड़ी बारीकी से व्यक्त किया है कि आधिपत्यवादी बायोमेडिसिन में निहित प्रभुत्व का विमर्श रोगी की प्रभावशीलता को सीमित कर देता है। लेकिन फिर, बतौर रोगी, आप केवल मापने योग्य मापदंडों (मसलन, आपका ब्लड कल्चर, या आपकी बायोप्सी रिपोर्ट के निष्कर्ष) के एक समुच्चय के साथ कोई 'पहचानहीन' शरीर न होकर, चेतना सहित एक जीवित आत्मा और जीता-जागता व्यक्तित्व भी हैं, और आप जिस ढंग से जीना या मरना चाहते हैं, उसको लेकर आपकी अपनी पसंद होनी चाहिए। क्या आपके लिए जरूरी है कि किसी सुपर-स्पेशिएलिटी अस्पताल के आईसीयू में कीमोथेरैपी की दर्दनाक प्रक्रिया से गुजरें, इस उम्मीद के साथ कि इससे आपको 'एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया' के दर्द से अस्थायी राहत मिल सकेगी, और अगले दो महीने तक और जीवन चल सकता है? या, क्या आपको खुद को एक्सपेरिमेंट करने की एक वस्तु में बदलने से मना कर देना चाहिए और अपने घर वापस लौटना चाहिए ताकि अपने शयनकक्ष में, अपने प्रियजनों की मौजूदगी के बीच दुनिया छोड़ी जा सके? चाहे यह 'वैज्ञानिकता' की शक्ति और आभा से युक्त सर्वश्रेष्ठ डॉक्टर हों या फिर कृत्रिम जीवन-रक्षक प्रणालियों की तकनीक, किसी को भी आपको आपकी पसंद या आपकी इच्छा से वंचित करने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। हालांकि, विडंबना यह है कि आधिपत्य वाली बायोमेडिसिन के कारण और इलिच के शब्दों में कहें तो, 'मौत के चिकित्साकरण' के परिणामस्वरूप लगता है हममें से अधिकांश ने जीने और मरने के अनुभव पर अपना नियंत्रण खो दिया है। डॉक्टरों और उनसे संलग्न दवा उद्योग की हर बात पर 'हां' न कहने को अक्सर गैरजिम्मेवाराना काम या 'विज्ञान विरोधी' स्वभाव का प्रदर्शन माना जाता है! इसी प्रकार, क्या युवा डॉक्टरों के लिए यह संभव होगा कि वे इस बात से कुछ असहज महसूस करें कि उनके पेशे को किस प्रकार व्यापार या मुनाफ़ा कमाने वाले धंधे में बदल दिया गया है? बेशक, डॉक्टरों को कमाने और एक बढ़िया जीवन जीने की ज़रूरत है। लेकिन फिर, हम देखते हैं कि कैसे हमारे भीड़भाड़ से अटे सरकारी अस्पतालों में अच्छी सुविधाओं की कमी के कारण (मत भूलें कि वित्तीय वर्ष 2024 के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय सकल घरेलू उत्पाद का केवल 2.2 प्रतिशत रखा गया है) कॉर्पोरेट सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल 'बढ़िया स्वास्थ्य' को 'उचित' मूल्य सूची के साथ एक वस्तु के रूप में बेचने में संकोच नहीं करते – मसलन, आईसीयू में रखने का खर्च प्रतिदिन 90,000 रुपये, या डीलक्स कमरा : 75,000 रुपये हर रोज, या बाईपास सर्जरी और किडनी प्रत्यारोपण के लिए आकर्षक 'पैकेज' या 'छूट'।

हां, उनका दृढ़ निश्चय या सत्ताधारी राजनीतिक प्रतिष्ठान से लड़ने का उनका साहस वाकई में प्रशंसनीय है। फिर भी, मैं उनसे और उनके वरिष्ठ सहयोगियों से अपील करना चाहता हूं कि वे अपने क्षितिज को व्यापक बनाएं, पर्याप्त रूप से आत्म-चिंतनशील बनें और साथ ही आधिपत्यवादी बायोमेडिसिन की खामियों का आलोचनात्मक विवेचन करें – इसके प्रभुत्व का विमर्श, इसके वस्तुकरण और इससे जुड़े अनेकानेक आचरणों का। हालांकि, डॉक्टरों का मैं भी प्रशंसक हूं, और मैं आधुनिक चिकित्सा की उल्लेखनीय उपलब्धियों से अवगत हूं। जैसे कि, व्यक्ति इंसुलिन लेकर अपने मधुमेह को नियंत्रित कर लेता है और यथासंभव सामान्य जीवन सुचारु रूप से जीता है, या फिर घुटने की सर्जरी करवाकर पुन: आत्मविश्वास से चलने लगता है – आधुनिक चिकित्सा की श्लाघापूर्ण गाथाएं हर घर में सुनी जा सकती हैं।

आप का नजरीया

लौट आओ हिमाचल

कनाडा में बसे हिमाचलियों के मन में राज्य के प्रति सरोकार, उनकी सांस्कृतिक एकता से पुनः प्रदर्शित हुए और इसी सद्भावना की प्रशंसा मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने की है। खास तौर पर वह उन्हें राज्य में निवेश के लिए प्रेरित कर रहे हैं। दरअसल हिमाचल के बाहर एक ऐसा समृद्ध हिमाचल है, जो राज्य का संबल बन सकता है। सवाल यह है कि लौट के क्यों वे हिमाचल आएं। निश्चित रूप से घर की संवेदना, धरती का मोह उन्हें खींच कर वापस ला सकता है, बशर्ते हम उनका स्वागत-सम्मान कर पाएं। हालांकि राज्य में उलटी बयार बह रही है। रोज एक हिमाचल रात्रिकालीन बसों में दूर कहीं निकल कर, अपनी सुबह टटोलता है। उसकी सुबह देश के विभिन्न शहरों, राज्यों व अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच होती है। सुबह को हमने दिन की कैद में उजाड़ दिया। एक भेड़ चाल में चलते हुए हमारा भविष्य क्यों गौण हुआ। क्यों हमारी उपाधियां शून्य होने के कगार पर हैं। हिमाचल में पैदा हो रहे रोजगार का इतना निर्यात हो गया कि पूरा बीबीएन, एक अलग प्रदेश नजर आता है। वहां की धूप बैसाखियों पर चलती है, क्योंकि सुबह की लाली को कोई बाहरी ले गया। वहां अगर हिमाचल होता, तो औद्योगिक करवटों में रोजगार का निर्माण होता, लेकिन वहां ठेके पर जो लाद रहा है, उसने दिहाड़ी का निर्यात किया है। जाहिर है इस निवेश से मजदूरी निकली, लेकिन हम इसके साथ कहां तक चलते। हमारी शिक्षा हमें सफेदपोश बनाने को उकसाती है। हम कच्ची-पक्की नौकरी का मूल्यांकन करते हुए भी सरकारी क्षेत्र में अस्थायी या अनुबंधित रोजगार को वरीयता देते हैं। इसी के चलते सरकारें निवेश करती रहीं ताकि सरकारी नौकरी मिलती रहे। खैर अब ऐसे हालात नहीं कि सरकार युवा शक्ति को अपने रोजगार कार्यालय के भरोसे प्रेरित कर सके, इसलिए निजी निवेश चाहिए ताकि राज्य में आगे बढने के संदेश बदलें। विडंबना यह है कि हिमाचल में पूंजी निवेश के दायरे में फिजाओं का स्पर्श अनुकूल नहीं रहा, दूसरे यह भी कि किस दिशा में आगे बढ़ा जाए। हिमाचली युवा से पूछा जाए कि वह किस ओर टकटकी लगाए बैठा है या प्रदेश से निकली अर्जियों का मजमून पढ़ा जाए तो मालूम होगा कि रोजगार के किन विषयों में युवाओं की जिज्ञासा बढ़ी है। जाहिर है आईटी के क्षेत्र में हिमाचली बच्चों को मंजिलें व मकसद कहीं दूर मिल रहे हैं। यानी जिन राज्यों ने आईटी पार्क बनाए, वहां निवेश के हर पहलू ने आर्थिकी व रोजगार दिए। पर्यटन में मनोरंजन, रोमांच और कांफ्रेंस आयोजन के माध्यमों में निवेश की एक अलग संस्कृति विकसित हो रही है और अगर इसे हिमाचल अंगीकार कर ले, तो बाधाओं की धूल और आर्थिक संकट के बादल छंट जाएंगे। बेशक हिमाचली एनआरआई अगर लौटते हैं, तो वे नैतिकता के बंधन और राज्य के सरोकारों के कारण ही आएंगे। इसलिए सर्वप्रथम ईज ऑफ डूईंग बिजनेस के सारे पैमान लबालब करने होंगे, ताकि ऐसा माहौल मिल सके और उस सुकून में बढ़ोतरी हो जो विदेशी परिपाटी में कोई अनहोनी घटना नहीं। पूर्व मंत्री स्व. जीएस बाली ने ऊना में बाकायदा एक एनआरआई सिटी का ख्वाब देखा था।

मोदी ने दिया किसानों और कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा : धनखड़

– गेहूं का 2425 और सरसों का भाव 5950 रुपए प्रति क्विंटल

झज्जर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने केंद्र सरकार द्वारा अपने कार्यरत व सेवानिवृत्त कर्मचारियों के डीए में बढ़ोतरी करने और किसानों को भी दिवाली का तोहफा देने की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि रबी की फसलों की एसएसपी में बड़ी बढ़ोतरी की है, वहीं सेवारत और सेवानिवृत कर्मचारियों के डीए में तीन प्रतिशत का इजाफा किया है। धनखड़ ने किसानों को बड़ी राहत देने के लिए पीएम मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि रबी के सीजन की बिजाई शुरू होने से पहले ही भाव तय होने से किसान अपना निर्णय ले सकते हैं कि कौनसी फसल की बिजाई सही रहेगी और ज्यादा लाभ देगी। सरसों के लिए 300 रुपए और गेहूं के भाव 150 प्रति क्विंटल बढ़ाएं गए हैं। सरसों का एमएसपी 5,950 रुपए और गेहूं का 2425 रुपए क्विंटल हो गया है। मसूर दाल के लिए 275, चना, कुसुम और जौ के लिए क्रमशः 210 रुपए प्रति क्विंटल, 140 रुपए प्रति क्विंटल और 130 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। उन्होंने बताया कि विपणन सत्र 2025-26 के लिए अनिवार्य रबी फसलों के लिए एमएसपी में वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 की घोषणा के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर तय करने की घोषणा की गई है। भाजपा नेता धनखड़ ने प्रदेश के कार्यवाह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को भाजपा विधायक दल का नेता बनाए जाने पर समस्त भाजपा परिवार एवं देवतुल्य जनता की तरफ से उनको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। धनखड़ ने बधाई देते हुए कहा कि नायब सिंह सैनी जी हर हरियाणवासी की उम्मीदों और आकांक्षाओं पर खरा उतरेंगे और उनके कुशल नेतृत्व में प्रदेश प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगा।

रिक्त पदों सहित भावी पदों के लिए नियुक्ति विज्ञप्ति जारी करें : राजस्थान हाईकोर्ट

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए आयुष कंपाउंडर/ नर्स के रिक्त पदों एवं भावी पदों की भर्ती के लिए विज्ञप्ति जारी करने के आदेश दिए है। राजस्थान हाइकोर्ट के न्यायाधीश फरजंद अली की एकलपीठ ने अहम आदेश दिया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता यशपाल खिलेरी ने पैरवी की। नीम का थाना जिला निवासी नीतिशा चौधरी सहित 16 अन्य की ओर से अधिवक्ता यशपाल हिलेरी ने अलग अलग रिट याचिकाए दायर कर जाहिर किया कि याचिकाकर्ताओं ने कोरोनाकाल में वर्ष 2020 में 3-वर्षीय डिप्लोमा (डिप्लोमा इन आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी) में प्रवेश लिया था लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण उनका बैच के एग्जाम लेट होने से विलंब होता गया और आखिर में एक वर्ष के विलंब से एग्जाम होने पर सभी याचीगण ने माह अप्रैल 2024 में उक्त डिप्लोमा आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर से उत्तीर्ण कर लिया। तत्पश्चात इन्होंने राजस्थान आयुर्वेद नर्सिंग कॉउन्सिल जयपुर में पंजीयन भी करवा लिया और वित्तीय वर्ष अप्रैल 2024 की आयुर्वेद नर्स कंपाउंडर रिक्तियों के लिए सभी याचीगण योग्यताधारी भी हो गए हैं। याचीगण की ओर से बताया गया कि आयुष विभाग ने विज्ञप्ति 03 अक्तूबर 2023 से आयुर्वेद विभाग में कुल 495 आयुर्वेद नर्स/ कंपाउंडर के पदों सहित होमियोपैथी व यूनानी विभाग में नर्स/ कंपाउंडर पदों के लिए भर्ती प्रारंभ की थी। भर्ती प्रक्रिया लगभग पूर्ण होने के पश्चात बाद में रिक्त हुए 247 पदों को भी इसमें जोड़ने का राज्य सरकार ने आदेश 28 जून 24 जारी कर दिया, जिसे याचीगण ने रिट याचिकाओं के जरिये चुनौती दी गयी। याचीगण की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता आज की दिनांक में योग्य उम्मीदवार है और डिप्लोमा कोर्स पास करने में विलम्ब भी राज्य सरकार की ओर से ही हुआ था। माह अप्रैल 2024 को हुई रिक्तियों के लिए आवेदन के लिए याचीगण को अवसर नहीं देना भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन है। याचीगण की ओर से उक्त भर्ती प्रक्रिया में शामिल करने अथवा भावी रिक्तियों के लिए उनको कंसीडर करने की गुहार लगाई गई। राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि राज्य सरकार के आयुष विभाग के शासन उपसचिव द्वारा जारी आदेश 28 जून 2024 विधिसम्मत है जो नियम 16 के अनुरूप जारी किया गया है। याचीगण की ओर से अधिवक्ता हिलेरी ने आयुर्वेद विभाग द्वारा जारी पत्र चार मार्च 2024 की ओर ध्यान आकर्षित कर बताया कि राज्य सरकार के पास आयुर्वेद नर्स के कुल 989 पद की गणना की गई थी जिसमें से विज्ञापित 495 पदों के बाद भी 369 पद रिक्त थे लेकिन नियम 16 से बचने के लिए और याचीगणों को भर्ती प्रक्रिया से दूर रखने के उद्देश्य से केवल 247 पदों को ही पूर्व विज्ञापित पदो में जोड़ा गया ताकि नियम की दिखावटी पालना हो सकें। जबकि आयुर्वेद विभाग के पास अब भी 122 पद रिक्त पड़े है। राज्य सरकार का ये कृत्य विधिविरुद्ध और असवैधानिक है। प्रकरण के तथ्यों और मामले की परिस्थितियों को देखते हुए और याचीगण के अधिवक्ता के तर्कों से सहमत होकर राजस्थान हाइकोर्ट एकलपीठ ने रिट याचिकाए स्वीकार करते हुए आयुष विभाग में आयुर्वेद नर्स/ कंपाउंडर के रिक्त हुए 247 पदों को पूर्व में चल रही भर्ती विज्ञापन 2023 में जोड़ने के राज्य आदेश 28 जून 2024 को निरस्त करते हुए आदेश दिया कि विभाग उक्त 369 पदों सहित अन्य रिक्त होने वाले पदों पर भर्ती के लिए नया विज्ञापन अविलंब जारी करें। साथ ही निर्देश दिए कि पूर्व में विज्ञापित पदों की सीमा तक भर्ती प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करें।

तख्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने पद से दिया इस्तीफा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल के साथ चल रही खींचतान के बीच तख्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। हरप्रीत इससे पहले अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार भी रह चुके हैं। दरअसल, ज्ञानी हरप्रीत सिंह का अकाली नेता विरसा सिंह के साथ कई माह से विवाद चल रहा है। मंगलवार को पांच सिंह साहिबानों की बैठक में अकाली दल को आदेश दिया गया था कि वह विरसा सिंह वलटोहा को पार्टी से निकालें। इसके बाद वलटोहा ने भी अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। इस खींचतान के बीच बुधवार की शाम एक निजी टीवी चैनल पर लाइव होकर ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने अपने पद से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया। उन्होंने कहा कि विरसा सिंह वलटोहा की तरफ से उन्हें लगातार धमकाया जा रहा है। उनकी बेटियों की इज्जत भी खतरे में है। मेरी जाति को परखा जा रहा है। वलटोहा को अकाली दल का सोशल मीडिया विंग लगातार समर्थन कर रहा है। इस मामले में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी पूरी तरह से चुप है। हरप्रीत सिंह ने एसजीपीसी अध्यक्ष से अनुरोध किया है कि वह उनका इस्तीफा तुरंत प्रभाव से स्वीकार करें। इस बीच शिरोमणि अकाली दल की तरफ से जारी जानकारी में कहा गया कि शिरोमणि अकाली दल के कार्यकारी अध्यक्ष स.बलविंदर सिंह भूंदड़ ने आज विरसा सिंह वल्टोहा का पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और अकाली दल के सभी पदों से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है।

सीवान में जहरीली शराब पीने से चार की मौत, ग्यारह बीमार

पटना/सीवान (हिंस)। बिहार में सीवान जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्रान्तर्गत कौड़ियां पंचायत और आसपास के गांवों में संदिग्ध परिस्थितियों में चार लोगों की मौत हो गई है। ग्यारह बीमार व्यक्तियों को समुचित इलाज के लिए सदर अस्पताल सीवान और पीएमसीएच पटना भेजा गया है। इनमें से सदर अस्पताल में आठ व्यक्तियों का इलाज जारी है। इस घटना के बाद से जिला प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है। मृतकों के परिजनों के अनुसार 12 से ज्यादा लोगों की जहरीली शराब पीने से मौत हुई है। महाराजगंज के एसडीएम अनिल कुमार ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि प्रथम दृष्ट्या शराब पीने से मौत लग रही है। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मृतकों में कौड़िया वैश्य टोला के अरविंद सिंह (40), रामेंद्र सिंह (30), माघर पोखरा के संतोष महतो (35) और मुन्ना कुमार (32) हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कौड़िया वैश्य टोला के अरविंद सिंह की रात में ही परिजनों ने अंत्येष्टि कर दी। दो लोगों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। इस घटना को लेकर सीवान के डीएम मुकुल कुमार गुप्ता और एसपी अमितेश कुमार घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। सीवान के सदर अस्पताल में सदर एसडीएम सुनील कुमार और सदर एसडीपीओ अजय कुमार सिंह पुलिस बल के साथ तैनात हैं। डीएम ने मीडिया से बातचीत में बताया कि 15 लोगों की बीती रात स्थिति गंभीर हुई, जिसमें से तीन लोगों की मौत पहले ही हो चुकी थी जबकि एक की मौत पटना ले जाने के क्रम में हो गई। सदर अस्पताल सीवान में अभी आठ लोग इलाजरत हैं जबकि तीन लोगों को पटना पीएमसीएच भेजा गया है।

रामपुर कोर्ट से आचार संहिता उल्लंघन मामले में पूर्व सांसद जयाप्रदा बरी

रामपुर (हिंस)। एमपी-एमएलए कोर्ट ने बुधवार को पूर्व सांसद और अभिनेत्री जयाप्रदा को 2019 के आचार संहिता उल्लंघन के मामले में दोष मुक्त कर दिया है। पूर्व सांसद ने न्यायालय का अभार प्रकट किया है। वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता उल्लंघन के मामले में उनके खिलाफ स्वर थाना में एक मुकदमा दर्ज हुआ था। उन पर यह आरोप लगा था कि आचार संहिता लागू होने के बावजूद उन्होंने नूरपुर गांव में एक सड़क का उद्घाटन किया है। इसकी वीडियो भी सार्वजनिक हुई थी। इस मामले की सुनवाई स्थानीय एमपी-एमएलए कोर्ट में चली। कोर्ट ने बुधवार को साक्ष्य के अभाव में पूर्व सांसद जयप्रदा को बरी कर दिया है। सुनवाई के दौरान जयप्रदा कोर्ट में मौजूद थी। फैसले अपने पक्ष में आने के बाद उन्होंने कोर्ट को धन्यवाद दिया है।

राजस्थान में एक लाख नौकरियां युवाओं को देने का आंकड़ा दिसंबर तक छूने के करीब : जल संसाधन मंत्री

अजमेर (हिंस)। राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने कहा कि देश की राजस्थान सरकार पहली ऐसी सरकार है जिसने शिक्षित और अशिक्षित दोनों ही वर्ग के युवाओं को रोजगार देने का काम किया है। राजस्थान में एक लाख नौकरियां युवाओं को देने का आंकड़ा दिसंबर तक छूने के करीब है। पिछली कांग्रेस सरकार ने युवाओं और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उनके समय में आए दिन पेपर लीक होते रहे। हजारों युवाओं का भविष्य बर्बाद किया जाता रहा। भाजपा सरकार ने सबसे पहले पेपर लीक पर रोक लगाई और पेपर लीक करने वालों को हवालात की हवा खिलाई। जल संसाधन मंत्री बुधवार को अजमेर में भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि भाजपा की भजनलाल सरकार में पेपर लीक करने वाली छोटी से छोटी मछली ही नहीं बड़े बड़े मगरमच्छ भी पकड़ में आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार में 17 भर्ती परीक्षा हुई और सभी में पेपर लीक हुए। आठ परीक्षाओं को रद्द कर दिया गया। इससे 50 हजार से अधिक युवाओं के भविष्य दाव पर लग गए। भजनलाल सरकार आने पर पहले साल एक लाख नौकरियां देने की घोषणा की और यह आंकड़ा दिसंबर तक छू लेने के करीब है। उन्होंने बताया बहुत सी परीक्षाओं के परिणाम जारी होना शेष है वहीं बहुत सी परीक्षाओं के विज्ञापन जारी होने वाले हैं। रावत ने बताया कि राजस्थान सरकार ने दूसरा बड़ा काम भर्ती परीक्षाओं का कलेंडर जारी करने का किया है। यह कार्य अभूतपूर्व है। सब इंस्पेटर भर्ती परीक्षा रद्द करने के सवाल पर मंत्री रावत ने कहा कि सरकार ने इस संबंध में कमेटी बनाई है। कमेटी उस पर काम कर रही है। जल्दी इस पर सरकार निर्णय लेगी। जल संसाधन मंत्री ने कहा कि भजनलाल सरकार का पहला मानसून अच्छा रहा। आगे भी रहेगा। उन्होंने बताया कि ईआरसीपी में 21 जिलों के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान हैं।

No. E-392562/57

ADDENDUM

In continuation to this office Advertisement No. E-392562/4 published in the local dailies vide No. Janasanyog/D/15312/23/27-Dec-23, dated - 27.12.2023, this is for information to all concerned that, the subject-wise break-up of total vacant post of Post Graduate Teacher in the Provincialised Secondary Schools under the Directorate of Secondary Education, Assam and required qualification against each subject are shown below :-

Sl. No.	Name of the Subject (PGT)	No. of Vacant post	Required Qualification
1	Accountancy	10	M.Com. in Accountancy or Finance.
2	Advance Assamese	115	M.A. in Assamese
3	Advance Bengali	18	M.A. in Bengali
4	Anthropology	4	M.A./ M.Sc. in Anthropology
5	Assamese	361	M.A. in Assamese
6	Banking	5	M.Com with Specialization in Accountancy or Finance.
7	Bengali	64	M.A. in Bengali
8	Bodo	1	M.A. in Bodo
9	Botany	47	M.Sc. in Botany or M.Sc. in Biotechnology (Plant Biotechnology).
10	Business Mathematics and Statistics	1	M.A./ M.Sc. in Mathematics or Statistics.
11	Business Studies	10	M.Com in Management or MBA with BBA.
12	CAES (Commercial Arithmetics & Elements of statistics.	1	M.A./ M.Sc. in Mathematics or Statistics.
13	Chemistry	21	M.Sc. in Chemistry
14	Commercial Arithmetics	1	M.A./ M.Sc. in Mathematics or Statistics.
15	Economics	78	MA in Economics
16	Education	29	M.A. in Education
17	English	114	M.A in English
18	Finance	2	M.Com. in Accountancy or Finance.
19	Geography	32	M.A. in Geography
20	Geology	12	M.Sc. in Geology or M.Tech. in Applied Geology.
21	Hindi	6	M.A. in Hindi
22	History	165	M.A. in History
23	Logic & Philosophy	36	M.A. in Logic & Philosophy
24	Manipuri	6	M.A in Manipuri
25	Mathematics	68	M.A./ M.Sc. in Mathematics
26	Physics	41	M.Sc. in Physics
27	Political Science	65	M.A. in Political Science
28	Salesmanship and Advertising	2	M.Com
29	Sanskrit	23	M.A in Sanskrit
30	Sociology	14	M.A in Sociology
31	Statistics	1	M.A./ M.Sc. in Statistics
32	Zoology	32	M.Sc. in Zoology or M.Sc. in Biotechnology (Animal Biotechnology)
	Grand Total	1385	

1. How to apply:-
   i. Interested candidates are requested to go through the terms and conditions of the advertisements and may apply through the official website at https://madhyamik.assam.gov.in. No other means/ mode of Application will be accepted and the Application will be summarily rejected.
   ii. The Online Application will be accepted from **21st October 2024 (11.30 AM) to 15th November 2024 (midnight).**
   iii. No Multiple Applications shall be accepted.
   iv. For any other issues related to online application, further instruction shall be intimated through application portal only.

Contd...

2. Examination Fee:-

Sl. No.	Category	Examination Fee
1	UR	Rs. 500/- (Rupees Five Hundred only)
2	OBC/ MOBC/ ST(H)/ ST(P)/ SC/ PwD/ Others	Rs. 350/-Rupees Three Hundred Fifty only)

   i. Application will not be considered, if fee is not paid for the application.
   ii. Fee once paid, shall not be refunded under any circumstances.
3. For Government Employee of the State of Assam:-
   i. Candidate already in Govt. service, in order to prove their employment, must upload a **"NO OBJECTION CERTIFICATE"** against the applied post, issued by the competent authority.
   ii. NOC after filling of online application shall not be entertained.
4. Persons with Disability (PwD) : -
   i. Candidates with OH (Orthopaedically Handicapped) with at least One Arm and One Leg, LV (Low Vision), HI (Hearing Impaired) will be considered under reservation category having minimum 40% of relevant disability.
   ii. The final selection of PwD candidates shall be subject to further medical examination.
   iii. The PwD candidate claiming reservation under PwD category must bring a PwD Certificate/ UDID Card issued by competent authority. PwD candidate eligible for scribe have to obtain a certificate from concerned District Commissioner.
5. Additional Information: -
   i. The degrees/ programmes/ courses duly recognized by the UGC shall only be accepted.
   ii. The District-wise, Medium-wise, Subject-wise and Category-wise break-up of advertised vacancies will be notified in the official website at https://madhyamik.assam.gov.in in due course of time.
   iii. The candidate shall have to read the same subject as one of the subjects in degree level.
   iv. There will be no preference of Districts for appointment. It will be decided by way of randomization.
   v. The examination will be of 21/2 hours duration and will consist of 140 questions of 1 mark each.
   vi. There shall be negative marking of 0.25 marks per question for wrong answer as well as selecting more than one option of a question.
   vii. Question paper will be given in multi-lingual form, viz. Assamese, Bengali, Bodo, English medium, however in case of confusion/ discrepancies, the English version shall be treated as authentic version.
   viii. No TA/ DA will be admissible for appearing in the Examination.
   ix. The Examination Venue district will be **Cachar, Dibrugarh, Jorhat, Kamrup, Kamrup Metro, Kokrajhar, Lakhimpur, Nalbari and Sonitpur.** Candidate will have to select his/ her Examination Venue district during filling up of online application form.
   x. All the applicants should have Employment Exchange Registration Number. However, those who have applied for the Registration Number but not yet received, they will also be allowed to apply but they have to obtain Employment Exchange Registration Number mandatorily before appointment.
   xi. There will be a common Recruitment Test for all Graduate and Post Graduate Teachers, both for Government and Provincialised Schools. Hence, a final merit list will be prepared in respect of Government and Provincialised Schools.
   xii. For verification of qualification and other particulars of the candidates, a draft merit list will be published with a ratio of 2 candidates against one vacancy. Thereafter, after verification, a final merit list will be prepared from the draft merit list as per the outcome of the verification report and as per the merit in the draft merit list in the ratio of 1:1.
   xiii. Preparation of Merit list:
      a) Merit list of candidates for Graduate Teacher/ Post Graduate Teacher shall be based on the total of marks obtained in the TET cum Recruitment Test and as per selection criteria mentioned in the earlier advertisement.
      b) For selection of the last candidate or determining merit, where a specified number of candidates have to be selected, if two or more candidates have same marks, the following procedure shall be followed :
         ➢ The candidate obtaining higher marks in the written examination shall be selected;
         ➢ If selection could not be made after following the above process, the candidate with earlier date of birth shall be selected;
         ➢ If the selection could not be made even after following the above process, the selection may be made by a draw of lots by the Director of Secondary Education, Assam.
   xiv. The candidate already got selection in the post of Post Graduate Teachers shall not be considered again for the post of Graduate Teachers.
   xv. According to merit position, the vacancies of Government Schools will be filled first from the merit List and thereafter posts of Provincialised Schools will be filled.
   xvi. The other terms and conditions stipulated in the earlier advertisement will remain the same

Director of Secondary Education, Assam
Kahilipara, Guwahati-781019

-- Janasanyog /D/7559/24/17-Oct-24

टाटा संस हुई कर्ज मुक्त, नए उद्यमों में निवेश बढ़ाने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली।
18 साल में पहली बार टाटा संस शुद्ध आधार पर कर्ज मुक्त कंपनी बनी है। टाटा समूह की मुख्य होल्डिंग कंपनी टाटा संस पर वित्त वर्ष 2023 के आखिर में 22,176 करोड़ रुपए का कर्ज था जो मार्च 2024 में घटकर 363.2 करोड़ रुपए रह गया था। वित्त वर्ष 2024 के आखिर में टाटा संस के पास 3,042 करोड़ रुपए की नकदी और समतुल्य राशि थी, जो इससे एक साल पहले 1,534 करोड़ रुपए थी। कंपनी पर कर्ज खत्म होने के बाद 2,679.2 करोड़ रुपए की नकदी बचेगी। मार्च 2020 के आखिर में टाटा संस पर सबसे ज्यादा 31,603 करोड़ रुपए का कर्ज था और उसका शुद्ध कर्ज एवं इक्विटी का अनुपात 0.56 गुना था।

कर्ज-मुक्त बैलेंस शीट और समूह की सूचीबद्ध कंपनियों जैसे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा मोटर्स, टाइटन और टाटा कंज्यूमर से ज्यादा लाभांश मिलने से टाटा संस को नए उद्यमों में निवेश बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे पहले वित्त 2006 में टाटा संस शुद्ध आधार पर कर्ज मुक्त हुई थी। उसके बाद विदेशी में कई बड़े अधिग्रहण किए गए थे, जिसने समूह को पूरी तरह से बदल दिया। टाटा संस की बैलेंस शीट और विभिन्न उद्यमों में इसके पूंजी निवेश की रफ्तार में संबंध दिखता है।

वित्त वर्ष 2005-06 से 2014-15 के दौरान जब टाटा संस की बैलेंस शीट मजबूत थी तब उसने कई सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध उद्यमों में निवेश किया था। दिलचस्प बात यह है कि टाटा स्टील ने अक्टूबर 2006 में कोरस समूह के लिए 8.1 अरब डॉलर की बोली लगाई थी और 12.1 अरब डॉलर की प्रतिस्पर्धी बोली लगाकर ब्रिटेन की इस कंपनी का अधिग्रहण किया था। टाटा मोटर्स ने जनवरी 2008 में ब्रिटेन की लक्जरी कार विनिर्माता जगुवार लैंड रोवर को 2.3 अरब डॉलर में अधिग्रहण किया था। 2006 के बाद की अवधि में टाटा केमिकल्स, इंडियन होटल्स और टाटा ग्लोबल बेवरिजेज ने भी विदेश में कई बड़े सौदे किए थे।

न्यूज ब्रीफ

विकसित भारत के लिए जीडीपी में विनिर्माण का योगदान बढ़ाने की जरुरतः बाली

नई दिल्ली। वोल्वो ग्रुप इंडिया के प्रबंध निदेशक और अध्यक्ष कमल बाली ने विनिर्माण क्षेत्र को विकसित भारत के लिए 'कमजोर कड़ी' बताते हुए कहा कि इस लक्ष्य को पाने जीडीपी में विनिर्माण का योगदान बढ़ाकर 25 फीसदी करने की आवश्यकता है। बाली ने एक संगोष्ठी में कहा कि देश को गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करके अपने पड़ोसी से अन्य भौगोलिक क्षेत्रों में तीन लाख करोड़ डॉलर के विनिर्माण अवसर को भुनाने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि हमें विकसित भारत बनाना है तो विनिर्माण को पूरी क्षमता से काम करना होगा। विनिर्माण क्षेत्र हमारी कमजोर कड़ी है। उन्होंने कहा कि पिछले 20-25 सालों से विनिर्माण क्षेत्र भारत के जीडीपी के 15-16 फीसदी स्तर पर बना हुआ है। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक सरकारों और कई नेताओं ने कोशिश भी की है लेकिन यह आगे नहीं बढ़ पाई है। इसलिए, इसमें बदलाव की जरुरत है। बाली ने जर्मनी, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि इनमें से ज्यादातर देश 40 से 50 सालों से विनिर्माण के जरिए से आगे बढ़ रहे हैं। भारत भी इससे अलग नहीं होगा। इसलिए विनिर्माण क्षेत्र को जीडीपी के 25 फीसदी तक बढ़ाना होगा। उन्होंने स्वीकार किया कि यह एक बड़ा कदम होगा और एक तरह से चुनौती भरा है। उन्होंने कहा कि इसके लिए ब्रांड इंडिया की धारणा को बदलना होगा और यह धारणा केवल गुणवत्ता पर मानसिकता बदलने के साथ ही बदल सकती है।

37 दिन बाद काम पर लौटे सैमसंग इंडिया के कर्मचारी, खत्म की हड़ताल कर्मचारियों ने प्रबंधन के खिलाफ काम नहीं करने पर जताई सहमति

नई दिल्ली। सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की फैक्टरी में कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल मंगलवार को खत्म हो गई। तमिलनाडु सरकार ने बताया कि सभी कर्मचारी काम पर लौट आए हैं। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की श्रीपेरंबुदूर इकाई के कर्मचारियों ने राज्य सरकार और प्रबंधन के साथ हुई बातचीत के बाद 37 दिन लंबी हड़ताल वापस ले ली। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीआईटीयू) के नेतृत्व में हड़ताल कर रहे कर्मचारियों की वेतन वृद्धि समेत ज्यादातर मांगों को सैमसंग प्रबंधन ने पहले ही मान लिया था। इसके बावजूद सीटू ने अपनी यूनियन की मान्यता की मांग को लेकर हड़ताल जारी रखी है, जिसका मामला अदालत में चल रहा है। इस मामले पर कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच कानूनी नतीजे का इंतजार करने पर सहमति बनी है। साथ ही सरकार ने भी यूनियन के पंजीकरण की मांग का समर्थन किया, जिसके बाद यूनियन हड़ताल वापस लेने पर सहमत हो गई। बातचीत के दौरान प्रबंधन और हड़ताली कर्मचारी दोनों के प्रतिनिधि इस बात पर सहमत हुए कि सभी कर्मचारी तुरंत हड़ताल खत्म कर देंगे और काम पर लौट आएंगे। प्रबंधन ने कहा कि हड़ताल में शामिल कर्मियों को प्रताड़ित नहीं किया जाएगा। दूसरी ओर कर्मचारियों ने पूरा सहयोग करने और काम पर लौटने के साथ प्रबंधन के हितों के खिलाफ किसी भी तरह का काम नहीं करने पर भी सहमति जताई है। सरकारी बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने इस सलाह को मान लिया है। कर्मचारियों ने बताया है कि वे तुरंत हड़ताल खत्म कर काम पर लौट आएंगे। इसके साथ सैमसंग फैक्टरी में हड़ताल खत्म हो गई है और सभी कर्मचारियों ने काम फिर से शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि कर्मचारी बुधवार को सैमसंग इंडिया वर्कर्स यूनियन की आमसभा के बाद आधिकारिक तौर पर हड़ताल वापस ले लेगी।

अमेरिका में हुंडई और किआ की ईवी ब्रिकी 1,00,000 के पार

मुंबई । हुंडई मोटर और उसकी सहयोगी किआ कॉरपोरेशन की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बिक्री अमेरिका में अक्टूबर 2024 के अंत तक 1,00,000 को पार कर जाएगी है। कंपनी की ओर से जारी डेटा से जानकारी मिली। दोनों कोरियाई कंपनियों की ओर से जनवरी से सितंबर तक 91,348 इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री की गई। इस दौरान ईवी की बिक्री में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 30.3 प्रतिशत बढ़ोत्तरी देखी गई। रिपोर्ट के अनुसार, हुंडई की ईवी बिक्री सालाना आधार पर 4.5 प्रतिशत बढ़कर 48,297 यूनिट्स रही। वहीं किआ की ईवी बिक्री में 80.3 प्रतिशत का उछाल दिखाई दिया है और यह 43,051 यूनिट्स रही। बाजार के जानकारों का मानना है कि इस महीने के अंत तक दोनों कंपनियों की बिक्री का आंकड़ा 1,00,000 यूनिट्स को पार कर सकती है।

अरे ये कुछ भी नहीं........दीवाली पर 4.25 लाख करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान

नई दिल्ली।
अभी-अभी दशहरा और दुर्गा पूजा का त्यौहार निकाला। देशभर में बीते दस दिनों में दुर्गा पूजा, नवरात्रि और रामलीला जैसे अन्य पारंपरिक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इस दौरान लाखों करोड़ रुपये के सामान बिके। अब आगे दिवाली करीब है। अगले 31 अक्टूबर को दिवाली का त्यौहार मनाया जाएगा। इसके पहले रक्षा बंधन, गणेश पूजा जैसे त्यौहार आए।

एक अनुमान है कि इस साल त्यौहारों पर 4.25 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होगा। त्यौहारों पर जो लाखों करोड़ के सामान बिकते हैं, उससे सिर्फ कारोबारी या दुकानदारों को ही फायदा होता है, ऐसी बात नहीं होता है। इससे बड़े पैमाने पर कारीगरों, शिल्पकारों एवं श्रमिकों को भी फायदा होता है। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महामंत्री और दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल का कहना है कि त्यौहारों पर देश भर में बड़े पैमाने पर लाखों लोगों को रोजगार मिलता है। उत्सव में पंडाल निर्माण से लेकर मूर्ति निर्माण, सजावट, भोजन, कपड़े, बिजली व्यवस्था, पूजा सामग्री, फल-फूल और सेवाओं से जुड़े विभिन्न व्यवसायों को भारी मात्रा में काम मिला है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बड़ा लाभ होता है। सांसद और कैट के महामंत्री खंडेलवाल बताते हैं कि दशहरे के 10 दिनों में करीब 50 हज़ार करोड़ रुपये का व्यापार हुआ है। अब आज से अगले 15 दिनों तक देश भर में दिवाली की खरीदारी को लेकर बाजारों में काफी भीड़ रहेगी। इस दौरान लोग नए कपड़े से लेकर जेवर और सोने-चांदी के सिक्कों की भी खरीदारी करते हैं। मतलब कि दशहरे से ज्यादा खरीदारी दिवाली में होगी। कैट का अनुमान बताता है कि इस साल त्यौहारी खरीदारी करीब 4.25 लाख करोड़ रुपये के आसपास रहेगी। इसमें रक्षा बंधन, गणेश चतुर्थी, नवरात्री, दुर्गा पूजा, दशहरा, दिवाली जैसे त्योहार शामिल होंगे।

बाग प्रिंट्स का रिटेल स्टोर संस्कृति इन्दौर में आरंभ

इन्दौर । इन्दौर में हस्तशिल्प और पारंपरिक वस्त्र पसंद करने वालों के लिए एक नया पड़ाव जुड़ गया है। प्रसिद्ध खत्री परिवार, जो तीन पीढ़ियों से बाग प्रिंट के निर्माण में जुड़ा हुआ है, ने इन्दौर में अपना पहला रिटेल स्टोर संस्कृति खोला है। यह स्टोर बाग प्रिंट के साथ-साथ अन्य पारंपरिक वस्त्रों जैसे माहेश्वरी, चंदेरी और शिफॉन भी उपलब्ध कराएगा। इस स्टोर की सबसे खास बात यह है कि यहां बाग प्रिंट की निर्माण इकाई से सीधे उत्पाद उपलब्ध होंगे। समय समय पर यहां बाग प्रिंटिंग का लाइव डेमो भी देखने को मिलेगा, जिससे लोग इस कला के बारे में और अधिक जान सकेंगे। बाग प्रिंट के मास्टर कारीगर इदरिस खत्री ने कहा कि बाग प्रिंटस की पहचान पूरी दुनिया में है और लोग इन कपड़ों को बहुत पसंद करते हैं, बरसों से देश और दुनिया भर से इनके चाहने वाले इन्दौर से करीब 140 किलोमीटर की दूरी तय करके बाग आकर खरीदी करते हैं। इनकी लोकप्रियता को देखते हुए हमारी बहुत लंबे अरसे से इच्छा थी कि हम इन्दौर में एक आउट्लेट खोलें, संस्कृति से जुड़ना हमारे लिए एक सपना पूरा होने जैसा है। मुझे उम्मीद है कि लोग हमारे स्टोर में आकर बाग प्रिंट की खूबसूरती को महसूस करेंगे। संचालक दिनेश नागर ने कहा कि हम इन्दौर के लोगों के लिए पारंपरिक वस्त्रों को खरीदने का एक बेहतरीन विकल्प लेकर आए हैं और इस स्टोर को खोलने के लिए बहुत मेहनत की है। हम अपनी पहचान बाग प्रिंट से बनाना चाहेंगे, साथ ही चुनिंदा महेश्वरी, चंदेरी, शिफॉन की साड़ियां, दुपट्टे, सूट, चादरें और ड्रेस मटेरियल भी मिलेंगे। रिटायर्ड असिस्टेंट डायरेक्टर, हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट प्रदीप पाटनी का कहना है कि, हमने तीन साल पहले महालक्ष्मी नगर, इन्दौर में परम्परागत परिधान का एक आउट्लेट संस्कृति शुरू किया था और वहाँ हस्तशिल्प पसंद करने वाले ग्राहकों से मिले रिस्पॉन्स से उत्साहित होकर हमने शहर के बीच एक रिटेल आउटलेट खोलने का यह प्रयास किया है, हम चाहते हैं कि इन्दौर के लोग बाग प्रिंट जैसे पारंपरिक वस्त्रों से जुड़ें और इनका महत्व समझें। हमारी कोशिश है कि हम बाग प्रिंट को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाएं। हम कोशिश करेंगे कि यह स्टोर एक रिटेल आउटलेट से बढ़कर कपड़े और हस्तशिल्प से जुड़ी पारंपरिक कलाओं को भी बढ़ावा देने का काम करे।

क्यूआईपी से अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी ने कमाए 4,200 करोड़ रुपए

नई दिल्ली।
अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी, अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने अपने संस्थागत शेयर बिक्री या क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के समापन का ऐलान किया है। क्यूआईपी से अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी ने 4,200 करोड़ कमाए हैं। अडाणी एंटरप्राइजेज ने 9 अक्टूबर को संस्थागत शेयर बिक्री की शुरुआत की थी।

अडाणी एंटरप्राइजेज ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स को 1 रुपए के फेस वैल्यू वाले 1.41 करोड़ इक्विटी शेयरों के निर्गम और आवंटन को मंजूरी दे दी। कंपनी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि क्यूआईपी के लिए इश्यू प्राइस 2,962 रुपए प्रति शेयर तय किया है, जो कि 3,117.47 रुपए प्रति शेयर के फ्लोर प्राइस से पांच फीसदी की छूट है। मंगलवार के क्लोजिंग प्राइस की तुलना में, इश्यू प्राइस पर दी गई छूट फ्लोर प्राइस की तुलना तकरीबन समान ही है।

एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने बताया कि क्वांट म्यूचुअल फंड अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के हाल ही में खत्म हुए क्यूआईपी में सबसे बड़े प्रतिभागी के रूप में उभरा है, जिसने कुल इश्यू शेयरों का करीब 47 फीसदी हिस्सा प्राप्त किया। क्वांट म्यूचुअल फंड की फ्लैगशिप स्कीम, क्वांट स्मॉल कैप फंड ने क्यूआईपी का 17.41 फीसदी का बड़ा आवंटन हासिल किया है। अन्य क्वांट योजनाएं जैसे क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड, क्वांट एक्टिव फंड, और क्वांट फ्लेक्सी कैप फंड ने भी क्यूआईपी में 7 फीसदी से ज्यादा की अहम हिस्सेदारी ली है।

क्यूआईपी के अन्य प्रमुख प्रतिभागियों में विनरो कमर्शियल (इंडिया) लिमिटेड शामिल है, जिसने अनुमानित 525 करोड़ रुपए की राशि के लिए 12.5 फीसदी हिस्सेदारी ली और ट्री लाइन एशिया मास्टर फंड (सिंगापुर) प्राइवेट लिमिटेड, जिसे कुल आवंटन का 5.95 फीसदी हासिल हुआ। इसके अतिरिक्त, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को 5.06 फीसदी का आवंटन मिला, जिसके लिए अनुमानित निवेश 212 करोड़ रुपए से ज्यादा का है।

भारत में तेजी से फलता-फूलता जा रहा ऑनलाइन गेमिंग बाजार

मुंबई ।
भारत का ऑनलाइन गेमिंग बाजार का वर्तमान मूल्य 3.1 बिलियन डॉलर है। रेगुलेशन और टैक्सेशन से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद इसके 2034 तक 60 बिलियन डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। भारत के गेमिंग सेक्टर में अमेरिकी योगदान महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट के अनुसार, कुल 2.5 बिलियन डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में से 1.7 बिलियन डॉलर सिर्फ अमेरिका से आया है। गेमिंग कारोबार के जानकार के अनुसार, यह भारत के तेजी से बढ़ते गेमिंग बाजार में वैश्विक निवेशकों के विश्वास को दिखाता है, जिसके 2034 तक 60 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस एफडीआई का 90 प्रतिशत हिस्सा पे-टू-प्ले सेगमेंट में है, जो कि इस सेक्टर के समग्र मूल्यांकन का 85 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत अपने हाई टैक्स रेट के लिए जाना जाता है। ऑनलाइन गेमिंग के लिए प्लेयर्स को अपनी कुल जमा पर सभी फॉर्मेट के लिए 28 प्रतिशत

की दर से जीएसटी चुकाना होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र केंद्रीय उत्पाद वर्गीकरण (यूएन सीपीसी) गेमिंग को ऑनलाइन जुए से अलग परिभाषित करता है। 600 मिलियन से ज्यादा गेमर्स के साथ इस सेक्टर का तेजी से मुद्रीकरण किया जा रहा है। यह निर्यात के लिए अवसर पेश करता है। हालांकि, भारतीय कंपनियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए, हमें प्रगतिशील टैक्स और रेगुलेटरी नीतियों के साथ समान अवसर की आवश्यकता है, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो।

सोने की कीमत में लगातार तीसरे दिन गिरावट, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली।
घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में लगातार तीसरे दिन गिरावट दर्ज की गई है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,540 रुपये से लेकर 77,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,090 रुपये से लेकर 70,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,440 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी गिरावट की वजह से सोना सस्ता हुआ है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली।
ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल मामूली कमजोरी के साथ कारोबार कर रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार मुनाफा वसूली होती रही, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक 1 प्रतिशत तक टूट गए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.76 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,815.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 187.10 अंक यानी 1.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,315.59 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.02 प्रतिशत फिसल कर 42,731.16 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होने के कारण लाल निशान में बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,249.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 1.06 प्रतिशत लुढक कर 7,521.97 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,486.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,092.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,610.74 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 182.98 अंक यानी 0.90 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,501.77 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.40 प्रतिशत उछल कर 3,214.01 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 701 अंक यानी 1.76 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 39,209.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.32 प्रतिशत लुढ़क कर 23,216.85 अंक के स्तर तक पहुंच गया है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,619.97 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत फिसल कर 7,622.47 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 1,464.87 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

युगांडा ने दक्षिण सूडान को हराकर अफ्रीकी कप ऑफ नेशंस 2025 के लिए किया क्वालीफाई

जुबा।
युगांडा ने मंगलवार को एक रोमांचक मुकाबले में दक्षिण सूडान को 2-1 से हराकर मोरक्को में होने वाले 2025 अफ्रीकी कप ऑफ नेशंस (एएफसीओएन) के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

युगांडा ने 11 अक्टूबर को कंपाला में हुए उलट मुकाबले में दक्षिण सूडान को 1-0 से हराया था।

दक्षिण सूडान के मुख्य कोच निकोलस डुपुइस ने कहा कि युगांडा व्यक्तिगत मुकाबलों में बेहतर टीम थी, उन्होंने कहा कि मैच का फैसला करने में यह महत्वपूर्ण था।

दक्षिण सूडान की राजधानी जुबा में एक ब्रीफिंग में डुपुइस ने कहा, हमारे लिए यह बहुत मुश्किल था क्योंकि युगांडा हमसे बेहतर था, इसलिए मुझे लगता है कि परिणाम सामान्य है। व्यक्तिगत रूप से वे बेहतर थे, लेकिन हमने कड़ी मेहनत की। यह पर्याप्त नहीं है लेकिन हमने एक अच्छी टीम के खिलाफ खेला।

डुपुइस ने कहा कि उनकी टीम का ध्यान अब 25 अक्टूबर को टोटल एनर्जीज अफ्रीकन नेशंस चैंपियनशिप में केन्या के खिलाफ होने वाले आगामी मुकाबले पर केंद्रित है।

युगांडा के मुख्य कोच पॉल जोसेफ पुट ने कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि उनकी टीम ने मैच की शुरुआत से लेकर अंत तक दबदबा बनाए रखा।

पुट ने कहा, मुझे लगता है कि हमने हर अच्छी टीम को देखा है, उन्होंने पहले पल से लेकर अंत तक पहल की, मुझे लगता है कि दक्षिण सूडान अपने खिलाड़ियों की लंबाई के कारण कॉर्नर किक्स में थोड़ा खतरनाक था, लेकिन हमने खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा।

उन्होंने कहा कि मैच के पूरे 90 मिनट में बनाए गए कई अवसरों के कारण उनकी टीम अधिक गोल कर सकती थी। युगांडा ग्रुप के में शीर्ष पर है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका, कांगो गणराज्य और दक्षिण सूडान शामिल हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

लौरा डेलानी की जगह गैबी लुईस बनीं आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान

डबलिन। गैबी लुईस को आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है, जो अब तक की सबसे अनुभवी खिलाड़ी लॉरा डेलानी की जगह लेंगी। डेलानी ने सभी प्रारूपों में आयरलैंड का 207 बार प्रतिनिधित्व किया है, और पिछले आठ वर्षों से वह उनकी कप्तानी भी कर रही हैं। वे महिला टी20 विश्व कप में जगह बनाने में असमर्थ रहीं, लेकिन हाल ही में उन्हें सफलता मिली है, अगस्त में श्रीलंका के साथ द्विपक्षीय मुकाबले में 1-1 से बराबरी की, जब लुईस ने शतक बनाया और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गई। इसके बाद उनकी टीम ने वनडे में श्रीलंका को 2-1 से हराया। लुईस, जो वर्तमान में मेलबर्न में क्लब क्रिकेट खेल रही हैं, ने कहा, मुझे पता है कि जब मैं पहली बार सीनियर टीम में आई थी, तो डेल्स उन टीम-साथियों में से एक थीं जिनसे आप प्रेरणा लेते थे। शौकिया से पेशेवर युग में जाने के बाद, उन्होंने लगातार अपने खेल को विकसित करने और सुधारने की कोशिश की है, और मैं डेल्स के साथ कई और मौकों पर खेलने के लिए उत्सुक हूं क्योंकि हम अपनी टीम के विकास के अगले चरण में आगे बढ़ रहे हैं। लुईस ने आयरलैंड के लिए अपना डेब्यू तब किया था जब वह सिर्फ 13 साल की थीं। वह 28.95 की औसत से 3,742 रन बनाकर उनकी सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं, जिसमें दो शतक और 21 अर्धशतक शामिल हैं। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने 12 बार अपने देश की कप्तानी भी की है और अब नवंबर और जनवरी में होने वाले बांग्लादेश और भारत के दौरे से पहले पूर्णकालिक कप्तानी संभालेंगी। लुईस ने कहा, मुझे आयरलैंड की महिला टीम की स्थायी कप्तान बनने के लिए कहा जाना बहुत अच्छा लगा। मुझे गर्मियों के दौरान इस भूमिका में अभिनय करने में बहुत मजा आया और मैं सिस्टम के ज़रिए आने वाली युवा प्रतिभाओं को लेकर वास्तव में उत्साहित हूँ। हालाँकि हम एक युवा टीम हैं, लेकिन हाल के वर्षों के परिणामों ने दिखाया है कि हम सर्वश्रेष्ठ के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।

द हंड्रेड : मैनचेस्टर ओरिजिनल्स पुरुष टीम के प्रभारी बने रहेंगे साइमन कैटिच

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर ओरिजिनल्स ने साइमन कैटिच को एक साल का अनुबंध विस्तार दिया है, जबकि

इस सत्र में उनकी पुरुष टीम ने केवल एक जीत हासिल की थी, हालांकि क्लब ने स्टीफन पैरी को महिला टीम के कोच पद से हटा दिया है। पैरी ने दो साल तक महिला टीम की कमान संभाली थी। दोनों कोचों के भविष्य पर निर्णय ओरिजिनल्स बोर्ड द्वारा लिए गए, जिसे 2025 से लंकाशायर के साथ उनके घनिष्ठ संबंधों को दर्शाने के लिए पुनर्गठित किया गया है। काउंटी अगले सत्र में ओरिजिनल्स में बहुसंख्यक शेयरधारक बन जाएगी, जब उन्हें ईसीबी द्वारा 51 प्रतिशत हिस्सेदारी सौंपी जाएगी, जबकि शेष 49 प्रतिशत एक निजी निवेशक को बेची जाएगी।

पीएसएल में कामरान को राउफ के मारे थप्पड़ का विडियो सामने आया

मुल्तान। इंग्लैंड के खिलाफ मुल्तान में शुरु हुए दूसरे टेस्ट में पदार्पण के साथ ही शतक लगाने वाले बल्लेबाज कामरान गुलाम को एक बार तेज गेंदबाज हारिस राउफ ने एकबार थप्पड़ मारा था। इसका एक वीडियो अब आया है। साल 2022 में पेशावर जाल्मी और लाहौर कलंदर्स के बीच पीएसएल मैच में हुई इस घटना का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में राउफ, विकेट लेने के बाद लाहौर कलंदर्स में अपने साथी खिलाड़ी रहे गुलाम को थप्पड़ मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि यह टीम के जश्न का हिस्सा लग रहा था। तब गुलाम ने भी हंसते हुए इसे हल्का बनाने की कोशिश की। रऊफ के हाव-भाव और थप्पड़ की तेजी पर लोगों ने तब सवाल उठाये थे। ने वहीं कमरन को बाबर आजम की जगह टीम में जगह मिली है। इस बल्लेबाज ने कहा कि उसपर अच्छा प्रदर्शन करने का बहुत दबाव था। उन्होंने कहा कि पिछले चार सालों से घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन का ये फल है। गुलाम ने शतक यहां एक मुश्किल विकेट पर आया जिससे पाकिस्तान ने पहले दिन 5 विकेट पर 259 रन बनाए। गुलाम ने 224 गेंदों पर 118 रनों की पारी खेली।

हॉकी इंडिया लीग 2024-25

महिला वर्ग में खिलाड़ियों की नीलामी के बाद सभी टीमों की सूची देखने को मिली

नई दिल्ली।
हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की पहली महिला नीलामी मंगलवार को नई दिल्ली में संपन्न हुई, जिसमें विभिन्न देशों की जूनियर और सीनियर खिलाड़ियों के लिए फ्रेंचाइजी के बीच कड़ी बोली जंग देखने को मिली। 2024-25 सीज़न में महिला लीग में चार टीमें दिल्ली एसजी पाइपर्स, ओडिशा वॉरियर्स, श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स और सूरमा हॉकी क्लब (हरियाणा) होंगी।

नीलामी के बाद प्रथम महिला हॉकी इंडिया लीग में हिस्सा ले रही सभी चार टीमों की पूरी टीम की सूची इस प्रकार है:

दिल्ली एसजी पाइपर्स

डिफेंडर: एम्मा पुवरेज (बेल्जियम), ज्योति सिंह, स्टेफनी डी ग्रूफ (बेल्जियम), गिजेल ऐनी एंस्ले (ग्रेट ब्रिटेन), मिरी मैरोनी (ऑस्ट्रेलिया), एलिजाबेथ एन नील (ग्रेट ब्रिटेन)।

मिडफील्डर: मनीषा चौहान, ज़ान गेर्डिएन डी वार्ड (नीदरलैंड), खैदेम शिलेमा चानू, मनीषा मनश्री।

फॉरवर्ड: सुनलिता टोप्पो, संगीता कुमारी, नवनीत कौर, दीपिका, मुमताज खान, इशिका, गीता यादव, चार्लोट वॉटसन (ग्रेट ब्रिटेन), प्रीति दुबे, हिमांशी शरद गावंडे।

गोलकीपर: बिचू देवी खारीबाम, एलोडी पिकार्ड (बेल्जियम), बंसारी सोलंकी।

ओडिशा वॉरियर्स

डिफेंडर: इशिका चौधरी, क्लेयर कोलविल (ऑस्ट्रेलिया), ज्योति छत्री, अंजलि बरवा, लिली पॉलिन स्टॉफेल्स्मा (जर्मनी)।

मिडफील्डर: नेहा गोयल, यिब्बी जानसन (नीदरलैंड), कैटलिन जे नोब्स (ऑस्ट्रेलिया), बलजीत कौर, सोनिका, विक्टोरिया सॉज (अर्जेंटीना), निशा, नंदनी।

फॉरवर्ड: फ्रीके जॉर्जेट मैरी (नीदरलैंड), अन्नू, रितुजा दादासो पिसल, साक्षी राणा, कनिका सिवाच,

मिशेल फिलेट (नीदरलैंड), साधना।

गोलकीपर: जॉक्लिन बार्ट्राम (ऑस्ट्रेलिया), माधुरी किंडो, एंगिल हर्ष रानी मिंज।

श्राची रारह बंगाल टाइगर्स

डिफेंडर: उदिता, अप्टन रोइसिन (आयरलैंड), एलेना नील (आयरलैंड), मरीना लालरामनघाकी, महिमा चौधरी।

मिडफील्डर: ईवा रोमा मारिया डी गोएडे (नीदरलैंड), सारा हॉकशॉ (आयरलैंड), ज्योति एडुला, मुनमुनी दास, बिनीमा धान, हुडा खान, सुशीला चानू पुखरंबम, शिल्पी डबास।

फॉरवर्ड: वंदना कटारिया, लालरेम्सियामी, ब्यूटी डंग डंग, अंब्रे बैलेनघियेन (बेल्जियम), कैथरीन मुलान (आयरलैंड), लालरिनपुई पचुआव, प्रियंका वानखेड़े, वंदना पटेल।

गोलकीपर: ग्रेस ओ हैनलॉन (न्यूजीलैंड), जेनिफर रिज़ो (यूएसए)), विद्याश्री वी।

सूरमा हॉकी क्लब

डिफेंडर: निक्की प्रधान, ज्योति, अक्षता अबासो ढेकाले, प्रीति, पेनी स्क्विब (ऑस्ट्रेलिया), अन्ना टोमन (ग्रेट ब्रिटेन)।

मिडफील्डर: सलीमा टेटे, वैष्णवी विठ्ठल फाल्के, नाइके लोरेंज, मारिया वर्सचूर, हिना बानो, जिमेना मारिया सेड्रास (अर्जेंटीना), ऐश्वर्या राजेश चव्हाण, अजमीना कुजूर।

फॉरवर्ड: शर्मिला देवी, चार्लोट एंगलबर्ट (बेल्जियम), चार्लोट स्टेपनहॉर्स्ट (जर्मनी), दीपिका सोरेंग, सोनम, उपासना सिंह, अमनप्रीत कौर।

गोलकीपर: सविता पुनिया, निधि, नतालिया साल्वाडोर (चिली)।

एडी टी10 लीग में पदार्पण के लिए तैयार यूपी नवाब

नई दिल्ली।
एडी टी10 लीग में नई फ्रेंचाइजी यूपी नवाब अपना पदार्पण करने के लिए तैयार है। टीम के मालिक वेंचर कैपिटलिस्ट लविश चौधरी हैं। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले चौधरी की गाजियाबाद और मुजफ्फरनगर से यात्रा उनकी जड़ों से उनके गहरे जुड़ाव और क्रिकेट के प्रति आजीवन जुनून को दर्शाती है। यह नया उद्यम उन्हें खेल के प्रति अपने प्यार को अपने रणनीतिक निवेश दृष्टिकोण के साथ जोड़कर एक ऐसी टीम बनाने का मौका देता है जो उत्तर प्रदेश की भावना और लचीलेपन का प्रतिनिधित्व करती है।

लविश चौधरी ने टीम के लिए अपनी आकांक्षाओं को साझा करते हुए एक बयान में कहा, क्रिकेट मेरे जीवन का एक मूलभूत हिस्सा रहा है, और एडी टी10 लीग में एक फ्रैंचाइज़ी का मालिक होना एक सपने के सच होने जैसा है। यूपी नवाबों के साथ, मेरा लक्ष्य उत्तर प्रदेश के गौरव को वैश्विक मंच पर लाना और लीग में एक मजबूत दावेदार के रूप में अपनी उपस्थिति स्थापित करना है। यूपी नवाब एडी टी10 लीग के आगामी 8वें सीजन में दमदार शुरुआत करने के लिए तैयार है। टीम में विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज, गतिशील तेज गेंदबाज टाइमल मिल्स, पावर-हिटिंग बल्लेबाज आंद्रे फ्लेचर, कुशल लेग स्पिनर आदिल राशिद और शीर्ष क्रम के कुशल बल्लेबाज डेविड मालन सहित कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल हैं।

एडी टी10 लीग का 8वां सीजन अबू धाबी के जायद क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, जो टी10 क्रिकेट का नया घर बन गया है। 2017 में अपनी शुरुआत के बाद से इस प्रारूप की अपार लोकप्रियता ने इसे एक तेज-तर्रार मनोरंजक खेल के रूप में स्थापित किया है।

मेसी की हैट्रिक से अर्जेंटीना ने विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में बोलिविया को 6-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स।
स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी की शानदार हैट्रिक से अर्जेंटीना ने विश्व कप फुटबॉल क्वालीफाइंग मैच में बोलिविया को 6-0 से हराया। इससे मेसी के प्रशंसकों का जश्न शुरु हो गया। मेसी ने 19वें, 84वें और 86वें मिनट में अपनी टीम की ओर से गोल दागे। अर्जेंटीना के दो गोल मेसी की पास पर हुए। उन्होंने लोटारो मार्तिनेज और जूलियन अल्वारेज के गोलों में भी अहम भूमिका निभाई।

विश्व क्वालीफाइंग मैच के अन्य मुकाबलों में ब्राजील ने पेरू को 4-0 से हरा दिया। इससे ब्राजील 16 अंक लेकर तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। वहीं अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिकी ग्रुप में 22 अंक लेकर नंबर एक पर है। उससे तीन अंक पीछे कोलंबिया है। इसमें से शीर्ष छह टीमें अगले साल होने वाले विश्व कप में उतरेंगी। दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग दौर के दो मुकाबले नवंबर में खेले जाएंगे।

पुर्तगाल को स्कॉटलैंड ने गोलरहित ड्रॉ पर रोका, रोनाल्डो विफल रहे

वहीं दूसरी ओर नेशंस लीग में पुर्तगाल को स्कॉटलैंड से गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया। इस मैंच में पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी असफल रहे। पुर्तगाल ने क्रोएशिया, स्कॉटलैंड और पोलैंड से पहले तीन मैच जीते थे पर ग्लासगो में रोनाल्डो की टीम गोल नहीं कर पायी। रोनाल्डो के पास इस मैच में गोल दागने के कई अवसर थे पर वह उनका लाभ नहीं उठा पाये। पुर्तगाल की टीम हालांकि ड्रॉ के बावजूद अपने ग्रुप में पहले नंबर पर है। वहीं क्रोएशिया दूसरे स्थान पर है जबकि स्पेन ने सर्बिया को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। क्रोएशिया ने पोलैंड से 3-3 से ड्रॉ खेला।

एशेज 2024-25 के पहले टेस्ट की मेजबानी करेगा पर्थ

मेलबर्न।
पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया का पर्थ स्टेडियम एशेज 2025-26 के पहले टेस्ट की मेजबानी करेगा। चार दशक से भी अधिक समय में यह पहली बार है जब ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में खेले जाने वाले एशेज की शुरुआत गाबा के अलावा किसी अन्य मैदान पर होगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को इसकी जानकारी दी।

पर्थ स्टेडियम ऑस्ट्रेलिया में एशेज मैच की मेजबानी करने वाला आठवां स्थल बन जाएगा। पहला टेस्ट 21 नवंबर से शुरू होने वाला है। पर्थ में होने वाले इस मैच के बाद, ब्रिस्बेन के गाबा में 4 दिसंबर से दिन-रात्रि टेस्ट खेला जाएगा होगा।

गाबा में दूसरा टेस्ट ब्रिस्बेन का तीसरा दिन-रात्रि पुरुष टेस्ट होगा, इससे पहले पाकिस्तान (2016) और श्रीलंका (2019) की मेजबानी की जा चुकी है।

तीसरा टेस्ट एडिलेड ओवल में होगा, उसके बाद मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में बॉक्सिंग डे टेस्ट और सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में नए साल में पहला और आखिरी का टेस्ट होगा।

एशेज 2025-25 श्रृंखला का कार्यक्रम:

पहला टेस्ट: 21-25 नवंबर, 2025, पर्थ स्टेडियम

दूसरा टेस्ट: 4-8 दिसंबर, 2025, द गाबा(डे/नाइट)

तीसरा टेस्ट: 17-21 दिसंबर, 2025, एडिलेड ओवल

चौथा टेस्ट: 26-30 दिसंबर, 2025, एमसीजी

पांचवां टेस्ट: 4-8 जनवरी, 2026, एससीजी।

हरमनप्रीत सिंह और उदिता हॉकी इंडिया लीग की शुरुआत से उत्साहित

नई दिल्ली।
तीन दिनों तक चली बोली-प्रक्रिया के बाद, आठ पुरुष और चार महिला टीमें दिसंबर में होने वाली हॉकी इंडिया लीग 2024-25 में एक-दूसरे से भिड़ने के लिए तैयार हैं। हॉकी इंडिया लीग की बहुप्रतीक्षित वापसी की नीलामी में भारतीय हॉकी टीम के डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह और उदिता सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। उदिता को श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने 32 लाख में खरीदा, जबकि सूरमा हॉकी क्लब ने हरमनप्रीत सिंह को 78 लाख में खरीदा।

हैदराबाद तूफान, सूरमा हॉकी क्लब, श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स, दिल्ली एसजी पाइपर्स, तमिलनाडु ड्रैगन्स, यूपी रुद्रास, कलिंगा लांसर्स और टीम गोनासिका पुरुष फ्रेंचाइजी थीं, जिन्होंने 13 और 14

हरमनप्रीत-उदिता नीलामी में बने सबसे महंगे खिलाड़ी

अक्टूबर को पुरुषों की नीलामी में एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश की।

15 अक्टूबर को महिलाओं की नीलामी में, सूरमा हॉकी क्लब, श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स, दिल्ली एसजी पाइपर्स और ओडिशा वॉरियर्स के बीच लीग में 24 खिलाड़ियों की सबसे मजबूत टीम बनाने के लिए मुकाबला हुआ।

हॉकी इंडिया लीग सात साल के अंतराल के बाद फिर से शुरू हो रही है, लेकिन लीग की वापसी के साथ ही महिला हॉकी इंडिया लीग की शुरुआत

भी हो रही है, जो भारत में अपनी तरह की पहली लीग होगी। महिला हॉकी इंडिया लीग पुरुषों की लीग के साथ-साथ चलेगी और इसका फाइनल 26 जनवरी को रांची में होगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम की डिफेंडर उदिता कई मशहूर अंतरराष्ट्रीय हॉकी सितारों को पछाड़कर 32 लाख रुपये में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स की नीलामी में सबसे ज़्यादा कीमत पर बिकीं। नीलामी के अंत में, उनकी कुछ उल्लेखनीय साथी नीदरलैंड की ट्रिपल ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ईवा रोमा मारिया ड्रमंड और भारतीय महिला हॉकी के इतिहास में सबसे ज़्यादा मैच खेलने वाली खिलाड़ी वंदना कटारिया थीं।

उदिता ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, हॉकी इंडिया पुरुष हॉकी इंडिया लीग के साथ-साथ महिला हॉकी इंडिया लीग आयोजित करके बाधाओं को तोड़ रहा है और नए मानक स्थापित कर रहा है। यह पहली बार था जब हममें से अधिकांश ने नीलामी के लिए पंजीकरण कराया और पूरी टीम इसका हिस्सा बनने के लिए उत्साहित थी। यह हमारे कौशल को दिखाने और विभिन्न राष्ट्रीयताओं के खिलाड़ियों के साथ खेलकर एथलीट के रूप में विकसित होने का एक अच्छा अवसर होगा। हम सभी लीग को अपना 100 प्रतिशत देने के लिए उत्सुक हैं। मैं हॉकी इंडिया लीग की सबसे बड़ी खरीद बनकर खुश हूं और मैं श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स को मुझ पर अपना विश्वास दिखाने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने एक प्रभावशाली टीम बनाई है और मैं मैदान पर उतरने और लीग जीतने का लक्ष्य रखने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान और दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हरमनप्रीत सिंह के लिए सभी आठ पुरुष टीमों ने कड़ी बोली लगाई।

आलिंगन सिर्फ अंतरंगता के लिए ही नहीं होता है, बल्कि इससे भी बहुत ज्यादा होता है। आलिंगन प्यार जताने का एक बेहतरीन तरीका तो है ही साथ ही इसके स्वास्थ्यगत फायदे भी हैं। इससे स्मरण शक्ति बढ़ती है और तनाव कम होता है। वैज्ञानिकों को पता चला है कि जब आप किसी को गले लगाते हैं, तो इससे रक्त में एक हार्मोन ऑक्सीटोसिन का स्राव होता है। इससे उच्च रक्तचाप में कमी आती है, तनाव और बेचैनी कम होती है और इससे आपकी स्मरण शक्ति भी बेहतर होती है।

जादू की झप्पी

आलिंगन से एक व्यक्ति की आत्मिक ऊर्जा दूसरे के मन और चेतना में प्रवेश करने लगती है। ऐसा करने से परेशान व्यक्ति को राहत मिलती है। एक अध्ययन से पता चला है कि ब्रिटेनवासी प्रत्येक आलिंगन में नौ सेकेंड से अधिक का समय लगाते हैं और इस तरह हर महीने आलिंगन के लिए वे एक घंटा समय खर्च करते हैं।

सिर्फ यही नहीं, आलिंगन में इतना समय खर्च करने के बावजूद सर्वेक्षण में शामिल किए गए 41 प्रतिशत लोगों ने कहा कि हम आलिंगन में और भी समय खर्च करना चाहते हैं। सर्वेक्षण में पाया गया है कि 69 प्रतिशत ब्रिटिश अपने प्रेमी या प्रेमिका के साथ आलिंगन करना चाहते हैं, जबकि 14 प्रतिशत अपने करीबी मित्र के साथ और नौ प्रतिशत ही अपनी मां के साथ आलिंगन करना चाहते हैं।

वास्तव में आलिंगन प्यार जताने का सबसे बेहतरीन तरीका है। कोई कितना भी परेशान क्यों न हो किसी अपने के गले लगकर बहुत अच्छा महसूस करता है। क्योंकि आलिंगन से एक व्यक्ति की आत्मिक ऊर्जा दूसरे के मन और चेतना में प्रवेश करने लगती है। ऐसा करने से परेशान व्यक्ति को तो राहत मिलती ही है, साथ ही आलिंगन वाला स्वयं भी ऊर्जा से भर उठता है।

प्यार जताने का तरीका

आलिंगन प्यार जताने का सबसे बेहतरीन तरीका है। कोई कितना भी परेशान क्यों न हो किसी अपने के गले लगकर बहुत अच्छा महसूस करता हैं। क्योंकि आलिंगन से एक व्यक्ति की आत्मिक ऊर्जा दूसरे के मन और चेतना में प्रवेश करने लगती है। ऐसा करने से परेशान व्यक्ति को तो राहत मिलती ही है, साथ ही आलिंगन वाला स्वयं भी ऊर्जा से भर उठता है। एक ताजा अध्ययन के अनुसार, आलिंगन से स्वास्थ्य को भी फायदा होता है।

ब्लड प्रेशर पर कंट्रोल

वास्तव में आलिंगन स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है, और एक स्वस्थ जीवनशैली को बनाए रखने में भी मदद करता है। यह अवसाद का कम करता है और रक्त के दबाव को बनाए रखने में मदद करता है। रक्तचाप के स्थिर रहने से सिर दर्द और अन्य बीमारियों के होने की आशंका कम होती है।

सिर्फ अंतरंगता नहीं

आलिंगन सिर्फ अंतरंगता के लिए ही नहीं होता है, बल्कि इससे भी बहुत ज्यादा होता है। जो जोड़े एक-दूसरे को गले लगाते हैं उनका अन्य (जो एक दूसरे को गले नहीं लगाते) जोड़ों की तुलना में मजबूत सम्पर्क होता है। जब कोई अपने पार्टनर को गले लगाता है तो वह भी नहीं जानता कि वह बातचीत के कौन से स्तर पर होता है। यहां तक कि कई बार बिना बोले सिर्फ गले लगना ही रिश्ते में जादुई असर करता है।

सावधानी भी जरूरी

वियना विश्वविद्यालय के शोध के मुताबिक किसी को गले लगाते वक्त हालांकि सावधानी बरतनी चाहिए। आप उसी को गले लगाएं, जिसे बहुत अच्छी तरह जानते हैं, वरना इसका उल्टा प्रभाव भी हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि ऑक्सीटोसिन को माता-पिता, बच्चों और दम्पतियों के बीच आपसी प्यार बढ़ाने के लिए प्रमुख कारक माना जाता है। सक्रिय सम्बंध में रह रहे साथियों के बीच ऑक्सीटोसिन का स्तर अधिक पाया जाता है।

डिप्रेशन कम करता है

कई शोधों से भी यह बात साबित हो गई है कि किसी के साथ आलिंगन करने से अवसाद से लड़ने में मदद मिलती है। आलिंगन के दौरान रक्त से ऑक्सीटोसिन नामक हार्मोन का स्राव अवसाद से लड़ता है। अगर कोई अपने साथी की बाहों में सोता है तो न केवल उसको आरामदायक और शांतिपूर्ण नींद आती है बल्कि अगले दिन चेहरे पर एक बड़ी सी मुस्कान लेकर जागता है।

एक-दूसरे को जानना जरूरी

न्यूरोफिजियोलॉजिस्ट्स के मुताबिक गले लगाने का फायदा हालांकि तभी मिलता है, जब गले लगने वाले दोनों व्यक्ति एक-दूसरे को जानते हों और एक-दूसरे पर भरोसा करते हों। यदि गले लगने वाले व्यक्ति एक-दूसरे को नहीं जानते या दोनों में से एक गले नहीं लगना चाहे तो इसका कोई फायदा नहीं मिल पाता है। उल्टे इससे बेचैनी बढ़ जाती है। गले लगाना अच्छी बात है, लेकिन भले ही कोई भी कितना भी एक-दूसरे से गले लगे, वास्तविकता यह है कि महत्वपूर्ण चीज आपसी भरोसा है।

रूखापन खत्म होता है

महिलाओं में बच्चों को जन्म देते वक्त और स्तनपान कराते वक्त इस हार्मोन का स्राव होता है, जिससे माता और बच्चों के बीच लगाव बढ़ता है। शोधार्थियों के मुताबिक अपने प्रियजनों को गले लगाने वाले व्यक्ति के स्वभाव का रूखापन भी समाप्त होता है और उसमें समय के साथ मधुरता का विकास होता है।

किताबें पढ़ने वाले ज्यादा जीते हैं ...

कुछ लोग अधिक पढ़ने वाले लोगों का मजाक उड़ाते हैं और उन्हें किताबी कीड़ा तक कहते हैं। अब एक रिसर्च में पता चला है कि जो लोग किताबें अधिक पढ़ते हैं, वे दूसरों की तुलना में अधिक दिनों तक जीते हैं। यह रिसर्च अमेरिका के येल यूनिवर्सिटी में किया गया है। इस रिसर्च में 50 वर्ष से अधिक उम्र के 3635 लोगों को शामिल किया गया। इसमें भाग लेने वाले सभी लोगों को तीन ग्रुप में बांट दिया गया। पहले ग्रुप में किताब नहीं पढ़ने वाले लोगों को शामिल किया गया। दूसरे ग्रुप में साढ़े तीन घंटे तक किताब पढ़ने वाले लोगों को शामिल किया गया और तीसरे ग्रुप में साढ़े तीन घंटे से अधिक पढ़ने वाले लोगों को शामिल किया गया। रिसर्च में पाया गया कि अधिक पढ़ने वाले लोगों में अधिकतर लड़कियां, कॉलेज कर चुके लोग और अधिक आय वाले लोग थे। रिसर्च में देखा गया कि साढ़े तीन घंटे तक पढ़ने वाले लोगों में नहीं पढ़ने वाले लोगों की तुलना में 12 वर्ष के अंतराल में 17 प्रतिशत कम लोगों की मृत्यु हुई। जो लोग साढ़े तीन घंटे से अधिक पढ़ रहे थे, उनमें मृत्यु दर 27 प्रतिशत तक कम देखी गई। किताब पढ़नेवाले औसतन सभी लोग नहीं पढ़ने वालों की तुलना में दो साल अधिक जिए।

रुटीन बिगड़ा तो बिगड़ेंगे बच्चे...

शादी-ब्याह तो कभी छुट्टियों का मौसम। कभी घर पर मेहमान आए, कभी खुद कहीं चले गए। इस आपाधापी में आपका रुटीन तो खराब होता ही है, बच्चों का रुटीन भी गड़बड़ा जाता है। उनका रुटीन वैसा नहीं रह पाता, जैसा सामान्य दिनों में होता है और यही बात खतरनाक है। बाल मनोविज्ञान विशेषज्ञ कहते हैं कि बच्चों के रुटीन को गड़बड़ाने नहीं देना चाहिए। इन विशेषज्ञों की राय है कि कुछ विशेष परिस्थितियों जैसे बीमारी, यात्रा आदि को छोड़कर बच्चों के रुटीन को बिगाड़े नहीं। रूटीन बदलने से बच्चे पढ़ाई से संबंधित कार्य को बोझ समझने लगते हैं। इसलिए माता-पिता को ध्यान देना चाहिए कि बच्चों के सुबह उठने के समय, नहाने, नाश्ता करने, खेलने, टीवी देखने और पढ़ने के समय में विशेष बदलाव नहीं करना चाहिए। हालांकि विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि ऐसे सख्त नियम भी न बना डालें कि बच्चों का बचपना ही खत्म हो जाए। कुछ दिन घूमने-फिरने गए हों तो उन्हें पूरी मस्ती करने देना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि यह हो सकता है कि बच्चे कुछ कामों में लेट-लतीफी करें, लेकिन पूरी तरह रुटीन बदलने पर दिक्कतें हो सकती हैं।

शहरी बच्चे ज्यादा नेगेटिव!

इलाहाबाद में स्थित मनोविज्ञानशाला में हाल ही में एक सर्वे हुआ था। ग्रामीण व शहरी इलाकों में छात्र-छात्राओं के बीच कराए गए सर्वे में यह बात सामने आई है कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में शहरी बच्चे अपने माता-पिता की उदासीनता के शिकार हो रहे हैं। शोध में यह भी पता चला है कि ग्रामीण इलाकों की तुलना में शहर के बच्चों पर पारिवारिक उदासीनता का ज्यादा नकारात्मक असर पड़ रहा है। 2015-16 शैक्षिक सत्र में कुल 500 छात्र व 258 छात्राओं पर सर्वे किया गया। ये सभी बच्चे 10वीं के विद्यार्थी हैं। जब लड़के व लड़कियों पर अलग-अलग अध्ययन किया गया तो पता चला कि लड़कियों की अपेक्षा लड़कों की शैक्षिक उपलब्धि और समायोजन पर इस उदासीनता का अधिक प्रतिकूल प्रभाव है। सर्वे के बाद अभिभावकों के लिए तीन प्रमुख सुझाव दिए गए हैं। अभिभावकों को सलाह दी गई है कि दूसरे बच्चों से तुलना की बजाय अपने बच्चे की उपलब्धि एवं अच्छे प्रयासों की सराहना करें। बच्चों पर विश्वास करने की आदत विकसित करें और उन्हें घरेलू कार्य का दायित्व सौंपें जिससे वे शैक्षिक व घरेलू कार्यों में सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम हो सकें। मन की एकाग्रता व स्थिरता को बढ़ाने के लिए रोज लगभग 20 मिनट योगाभ्यास करने की सलाह दी गई है।

इंडियन लाइसेंस से विदेशों में ड्राइविंग...

अगर आपके पास इंडियन लाइसेंस है और कार ड्राइविंग के शौकीन तो आपके लिए यह खुशखबरी है कि आप विदेशों की स्मूथ सड़कों पर भी ड्राइविंग का मजा ले सकते है। विदेशों में भी आप इंडियन लाइसेंस को साथ वहां के नियम और कानून का पालन करते हुए कार या फिर बाइक आदि ड्राइव कर सकते हैं। आइए जानते है उन देशों के बारे में जहां इंडियन लाइसेंस के साथ ड्राइविंग की जा सकती है।

न्यूजीलैंड

अगर अपकी उम्र 21 साल से ज्यादा है तो आप 1 साल तक न्यूजीलैंड में इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस के साथ कार ड्राइव कर सकते हैं। अगर आपका ड्राइविंग लाइसेंस इंग्लिश में नहीं है तो एंबेसी से न्यूजीलैंड ट्रांसपोर्ट एजेंसी से ट्रांसलेट कराना होता है।

ऑस्ट्रेलिया

आप न्यू साउथ वेल्स, क्वीन्सलैंड, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया और ऑस्ट्रेलिया कैपिटल टेरिटरी में ही भारतीय वैलिड ड्राइविंग लाइसेंस से ड्राइव कर सकते हैं। लीगल ड्राइविंग लाइसेंस के साथ आप वही गाड़ी चला सकते हैं जिसकी इजाजत भारतीय ड्राइविंग लाइसेंस में है। यहां इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस सिर्फ 3 महीने के तक ही चलेगा।

फ्रांस

फ्रांस में इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस को एंबेसी से फ्रेंच में ट्रांसलेट कराना भूलने पर मुसीबत खड़ी हो सकती है। फ्रांस में इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस 1 साल तक चलता है।

अमेरिका

अमेरिका में आप भारतीय ड्राइविंग लाइसेंस से एक साल तक कार ड्राइव कर सकते हैं। इसके बाद आपको इंटरनेशनल ड्राइविंग परमिट बनवाना पड़ेगा।

साउथ अफ्रीका

साउथ अफ्रीका में कार ड्राइव करने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस इंग्लिश में होना चाहिए और साथ ही इसमें आपकी फोटो और साइन होना सबसे जरूरी है।

नार्वे

अगर आपको नार्वे में ज्यादा समय के लिए रहना है तो आपको वहां का ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना पड़ेगा। यहां पर आप इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस के साथ 3 महीने तक ही कार ड्राइव कर सकते हैं।

स्विट्जरलैंड

कार ड्राइव करने के लिए इंडियन लाइसेंस स्विट्जरलैंड में सिर्फ 1 साल तक के लिए ही लीगल होता है।

इंग्लैंड

इंग्लैंड में आप इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस के साथ सिर्फ छोटी कार और बाइक ही अपने लाइसेंस से चला सकते हैं। यूके को कार ड्राइव के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन माना जाता है।

जर्मनी

अगर आपके पास इंटरनेशनल ड्राइविंग लाइसेस नहीं है तो एंबेसी से इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस को जर्मनी में ट्रांसलेट करवा सकते हैं और जर्मनी में 6 महीने तक कार ड्राइव कर सकते हैं।

विदेश से कितना सोना ला सकते हैं आप?

सोना यानी कि गोल्ड से भारतीयों को कितना लगाव है यह बात किसी से छिपी नहीं है। भारतीयों के गोल्ड प्रेम से दुनिया वाकिफ है। देश में लोग सोने के आभूषण पहनने के अलावा चढ़ावे में भी चढ़ा देते हैं, दान कर देते हैं। विदेशों में रहने वाले भारतीयों में भी सोने को लेकर गहरा लगाव है इसलिए जब भी वह वापस देश लौटते हैं तो सोना साथ में खरीदकर जरूर लाते हैं। कई बार देखा गया है कि लोगों को सोने के साथ एयरपोर्ट पर रोक लिया जाता है। एयरपोर्ट अथॉरिटि को इस बात का शक रहता है कि मिडिल ईस्ट से लोग सोने की तस्करी करते हैं इसलिए लोगों को एयरपोर्ट पर रोक लिया जाता है। इस डर से लोग बाहर से सोना खरीद कर नहीं लाते हैं लेकिन हम आपको बताएंगे कि आप विदेश से कितना ड्यूटी फ्री सोना खरीद कर ला सकते हैं।

ड्यूटी फ्री सोने की सीमा

ड्यूटी फ्री सोना लाने के लिए आपको कुछ जरूरी बातों की जानकारी होनी चाहिए। अगर आप एक वर्ष से अधिक विदेश में रह चुके हैं तो आप 50 हजार रुपए तक का सोना भारत में ड्यूटी फ्री लेकर आ सकते हैं। वहीं महिलाओं के लिए यह छूट एक लाख रुपए तक है। महिलाएं एक लाख रुपए तक की कीमत का सोना ड्यूटी फ्री लेकर भारत आ सकती हैं।

सिक्के और बिस्किट

अब आपके मन में सवाल उठ रहा होगा कि अगर ऐसा है तो क्या विदेश से सोने के सिक्के या फिर सोने के बिस्किट ड्यूटी फ्री शर्तों के अंतर्गत लेकर आ सकते हैं ? इसका जवाब है नहीं। क्योंकि ड्यूटी फ्री की शर्तें सिर्फ सोने के आभूषणों पर लागू हैं और उनकी भी सीमा है ऐसे में आपको सोने के सिक्कों और बिस्किट्स पर ड्यूटी देना पड़ेगा।

कितना है ड्यूटी शुल्क

एक सवाल आपके मन में उठ रहा होगा कि, अगर सोना निर्धारित कीमत से अधिक है तो कितनी ड्यूटी चुकानी होगी? तो इसका जवाब है कि आपके पास ड्यूटी फ्री सोने से जितना अधिक सोना है उसका 10.3 प्रतिशत आपको चुकाना होगा। इस मामले में भी आपको नियम और शर्तें जान लेनी चाहिए कि कोई भी व्यक्ति एक किलो से अधिक सोना नहीं ला सकता।

रसीद साथ रखिए

आप यदि विदेश से सोने के आभूषण या फिर सिक्के खरीदकर ला रहे हैं तो आपको उसकी रसीद साथ रखनी चाहिए। यह कस्टम्स में पूछ-ताछ के दौरान आपकी मदद करेगी साथ ही आपके पास खरीदारी और सोने की सही कीमत का एक प्रमाण भी रहेगा। इस तरह की रसीद आपको आगे आने वाली परेशानियों से बचाएगी।

यह अफवाह है

आम तौर पर लोगों में ये भ्रांतियां होती है कि विदेश से यदि सोने के आभूषण खरीद कर ला रहे हैं तो उन्हें पहन कर आना चाहिए क्योंकि पहने हुए आभूषणों पर किसी तरह की ड्यूटी नहीं देनी पड़ती है लेकिन ये सच नहीं है। यहां भी वही नियम और शर्तें लागू रहती हैं।

जाते वक्त भी दें ब्योरा

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि विदेश जाने से पहले आपको अपने गहनों के संबंध में कस्टम को जानकारी दे देनी चाहिए। चाहे आपने छोटी सी अंगूठी ही क्यों ना पहनी हो, विदेश जाने से पहले आपको एयरपोर्ट पर ये सुनिश्चित करना होगा कि यह आभूषण आपका है और आप इसे देश से ही पहन कर जा रहे हैं। इससे आप वापसी के दौरान होने वाली परेशानी से बच सकते हैं।

भारत में भी खरा सोना

अब दौर पहले के जैसा नहीं रहा। पहले देश में ये धारणा थी कि यहां मिलने वाला सोना उतना खरा नहीं जितना विदेशी सोना होता है। लेकिन सरकार के नियम अब कड़ाई से लागू किए जा रहे हैं जिससे बाजार में सिर्फ हॉलमार्क के ही सोने के आभूषण बिक रहे हैं। इसलिए अब इस बात से चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है कि देश में मिलने वाला सोना खरा है या नहीं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**